RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

अंदोलन नहीं अखबार

जयपुर
शुक्रवार
02 अगस्त, 2024

वर्ष: 10 : अंक: 107

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

दूरभाष: 01482 : 455184 : पृष्ठ: 08 : मूल्य: 1.50 रुपए

16वें केंद्रीय वित्त आयोग के साथ बैठक

विषम भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप राजस्थान को मिले अतिरिक्त सहायता : सीएम भजनलाल

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की विषम भौगोलिक स्थिति, विशाल क्षेत्रफल, मरूस्थलीय भू-भाग, जल संसाधनों की अत्यधिक कमी, अनुसूचित जाति व जनजाति की बड़ी आबादी के परिप्रेक्ष्य में वित्त आयोग केन्द्र सरकार से राजस्थान को अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने की सिफारिश करें। उन्होंने वित्त आयोग से प्रदेश में भीषण जल संकट को ध्यान रखते हुए विशेष वित्तीय सहायता देने के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिश करने का भी आग्रह किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को सचिवालय में 16वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान विशाल भूभाग और बिखरी हुई आबादी वाला राज्य है, इस कारण यहां शिक्षा, चिकित्सा व स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, संचार सुविधा आदि बुनियादी सुविधाएं आमजन तक पहुंचाने के लिए दूसरे राज्यों की तुलना में अधिक लागत आती है। उन्होंने कहा कि इस अतिरिक्त लागत और प्रदेश की भौगोलिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रदेश को वित्तीय संसाधन मुहैया कराए जाएं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अनियमित व अनिश्चित मानसून प्रदेश की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती है। सीमित एवं निरन्तर घटते हुए जल संसाधनों के कारण राज्य को अत्याधिक कठिनाई का सामना करना पड रहा है। राज्य में सतही जल की कमी के कारण भूजल पर अधिक निर्भरता होने से भूजल का स्तर राज्य के सभी हिस्सों में लगातार गिरता जा रहा है। अतः वित्त आयोग पानी की कमी (वॉटर डेफिसिट) के लिए अनुदान देने पर भी विचार करे।

हीट वेव और रेगिस्तानी टिड्डियों को प्राकृतिक आपदा में शामिल करने की मांग

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य को तकरीबन हर वर्ष हीट वेव का सामना करना पड़ता है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों के निवासियों की आजीविका प्रभावित होती है। साथ ही, रेगिस्तानी टिड्डियों के कारण फसलों को क्षति पहुंचती है। इसको ध्यान में रखते हुए हीट वेव एवं रेगिस्तानी टिड्डियों के खतरे को प्राकृतिक आपदा माना जाए और इन्हें राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) में प्राकृतिक आपदा की परिभाषा में शामिल किया जाए।

केन्द्रीय कर आय में राज्य के क्षेत्रफल को मिले विशेष महत्व

सीएम ने वित्त आयोग से केन्द्रीय करों के वितरण के लिए ऐसा फार्मूला विकसित करने का अनुरोध किया, जो कि क्षेत्रीय विषमताओं को दूर करने का साधन बने और समाज के सभी क्षेत्रों और वर्गों के लिए महत्वपूर्ण न्यूनतम बुनियादी ढाँचा प्रदान करने के लिए अधिक संसाधन आवंटित करने में सहायक हो। उन्होंने केन्द्रीय कर आय में राज्यों की हिस्सेदारी को अंतिम रूप देते समय, राज्य के क्षेत्रफल को विशेष महत्व दिये जाने का भी आग्रह किया। उन्होंने वित्त आयोग से सड़क व पुल, सिंचाई परिसंपत्तियों और वनों के लिए रखरखाव अनुदानों को फिर से शुरू करने का अनुरोध भी किया।

राज्यों के सुझाव गंभीरता से सुन रहा है आयोग

वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगडिया ने कहा कि आयोग राज्यों का दौरा कर उनसे सुझाव प्राप्त कर रहा है। हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं पंजाब के बाद आयोग का चौथा दौरा राजस्थान में है। राज्यों से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से सुना जा रहा है। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। मुख्यतः पश्चिमी क्षेत्र के जिलों में सेवा प्रदायगी के लक्ष्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सीमित संसाधन होने के कारण प्रदेश की केन्द्रीय कोष पर निर्भरता है। अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राजस्थान की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को आयोग के सामने रखा। उन्होंने आयोग से आग्रह किया कि सतत् विकास लक्ष्य की रैंकिंग के आधार पर राज्य को वित्तीय सहायता दी जाए। वित्त आयोग के सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पाण्डा, डॉ. सौम्य कांति घोष व सचिव ऋत्विक पाण्डेय ने प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा भी की। बैठक में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर, पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव व सचिव उपस्थित रहे। इस अवसर पर 'मेमोरेंडम टू 16 फाइनेंस कमिशन' पुस्तिका वित्त आयोग को सौंपी गई। उन्होंने आयोग के सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह स्वरूप भगवान गणेश जी की प्रतिमा भेंट की।

स्थानीय निकायों को अनुदान बढ़ाने की सिफारिश करे वित्त आयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त आयोग पंचायती राज संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों की नाजुक वित्तीय स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ है। उन्होंने वित्त आयोग से अनुरोध किया कि राजस्थान के स्थानीय निकायों के लिए अनुदान बढ़ाने की सिफारिश करें। मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री दीया कुमारी ने आयोग से प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत और प्रदेश की 8 करोड़ जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप आयोग को एक मानक दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। आयोग संसाधनों का इस प्रकार वितरण करे, जिससे विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति को गति मिले।

स्वायत शासन मंत्री ने विधानसभा में दिया जवाब

बाड़मेर जिला मुख्यालय पर जल भराव की समस्या का होगा स्थायी समाधान : खर्रा

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। बाड़मेर शहर में जल भराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा। स्थाई जल निकासी की व्यवस्था होने तक अस्थाई मड पंप से जल भराव समस्या का निस्तारण किया जाएगा। बहाव क्षेत्र में स्थाई अथवा अस्थाई रुकावटों की जांच कर अवैध निर्माण जल्द हटाए जाएंगे। स्वायत शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने गुरुवार को राज्य विधान सभा में बताया कि इसका स्थाई समाधान किया जाएगा। स्वायत शासन राज्य मंत्री शून्यकाल के दौरान बाड़मेर विधायक प्रियंका चौधरी की ओर से ध्यान आकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि बाड़मेर शहर की विशेष भौगोलिक स्थिति के कारण वहां बारिश के दौरान जल भराव हो जाता है। उन्होंने कहा कि बाड़मेर शहर में गांधीनगर, शास्त्री नगर आदि कॉलोनी व आधे पुराने शहर का पानी कुर्ला तक जाता है। इस बरसाती पानी की निकासी के लिए सिणधरी से कुर्ला तक नाला निर्माण का कार्य किया गया है और आसपास के क्षेत्र को मुख्य नाले से जोड़ा गया है, जिससे बरसाती पानी की निकासी

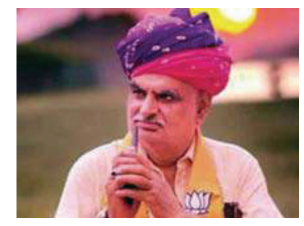

लगभग 3 से 5 घंटे में हो जाती है। स्वायत शासन राज्य मंत्री ने बताया कि वर्तमान में बाड़मेर शहर की सीमा का विस्तार हो चुका है। बरसाती पानी के निकास की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नगर परिषद को निर्देशित किया जाएगा कि जल्द ही डीपीआर तैयार कर विभाग को भेजे, जिससे आगामी समय में डीपीआर की स्वीकृति के बाद इस कार्य को प्राथमिकता से करवाया जा सके। इससे जल भराव समस्या का स्थाई समाधान होगा। उन्होंने बताया कि बाड़मेर नगर परिषद की महाराणा प्रताप नगर योजना में कुल 26 प्लॉटों की नीलामी की जानी है जिसमें नीलामी सफल होने के बाद 4 से 5 करोड़ रुपए प्राप्त होने की संभावना है। इस योजना के विकास के बाद शेष राशि तथा राज्य सरकार से प्राप्त राशि से पानी निकासी के कार्य को प्राथमिकता से करवाया जाएगा।

सड़क दुर्घटना को लेकर केन्द्र की नई योजना

अब पीड़ितों को मिलेगा मुफ्त कैशलेस इलाज

द पुलिस पोस्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने के लिए एक योजना लागू की है। मंत्री ने गुरुवार को संसद को बताया कि परिवहन मंत्रालय ने एक योजना विकसित की है और चंडीगढ़ और असम में पायलट आधार पर इसे लागू करना शुरू कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को नकद रहित उपचार उपलब्ध कराना है। मंत्री ने बताया कि इस योजना में मोटर वाहनों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में शामिल व्यक्तियों के उपचार को शामिल किया गया है। मंत्रालय इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के सहयोग से लागू कर रहा है। मंत्री ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि इस योजना के तहत, पात्र पीड़ितों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में दुर्घटना की तारीख से 7 दिनों की अधिकतम अवधि के लिए अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक के

आघात और बहु-आघात देखभाल से संबंधित स्वास्थ्य लाभ पैकेज दिए जाते हैं। यह योजना मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 164बी के तहत स्थापित मोटर वाहन दुर्घटना निधि के तत्वावधान में संचालित की जा रही है। आय के स्रोत और निधियों के उपयोग का विवरण केंद्रीय मोटर वाहन (मोटर वाहन दुर्घटना निधि) नियम, 2022 में दिया गया है। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एनएचए, स्थानीय पुलिस, सूचीबद्ध अस्पतालों, राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र और सामान्य बीमा परिषद के साथ समन्वय करके कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है। मंत्री गडकरी ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अनुसार, कैशलेस उपचार के लिए पायलट कार्यक्रम मोटर वाहनों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को सहायता प्रदान करता है

मुख्यमंत्री ने ली आपदा प्रबंधन की बैठक

अधिकारी फील्ड में जाकर दें आमजन को राहत, जल भराव क्षेत्रों की करें सघन निगरानी: भजनलाल

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार रात से प्रदेश में हो रही बारिश से उत्पन्न हुई स्थिति के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड पर जाकर स्थिति का जायजा लें और आपदा की स्थिति में आमजन को तुरंत राहत सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आपदा प्रबंधन पर आयोजित बैठक को संबोधित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने एवं जर्जर भवनों का पूर्व में ही चिन्हीकरण कर लें, जिससे किसी भी प्रकार की क्षति को समय से रोका जा सके। चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें, साथ ही पशुधन में होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए भी उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि आपदा नियंत्रण के लिए स्थापित कंट्रोल रूम को चौबीसों घंटे संचालित किया जाए और वहां आ रही प्रत्येक शिकायत का शीघ्र समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल भराव वाले क्षेत्रों का आंकलन कर समुचित इंतजाम

सुनिश्चित किए जाएं। इन जगहों पर दुर्घटनाओं से बचने के लिए साइन बोर्ड लगाए जाएं और आमजन विशेषकर बच्चों की आवाजाही की लगातार निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में खाद्य सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन स्वयंसेवी संस्थाओं, समाज सेवियों तथा भामाशाहों से भी निरंतर संपर्क में रहे ताकि आवश्यकता होने पर इनका सहयोग लिया जा सके। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मीडिया में आ रही वर्षाजनित हादसों की खबरों पर तुरंत संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करें। उन्होंने संबंधित विभागों को प्रभावित क्षेत्रों में धंसी सड़कों, टूटी नालियों के मरम्मतीकरण के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें ताकि आमजन को शीघ्र सहायता उपलब्ध हो सके।

सीएम भजनलाल और पीएम मोदी करेंगे उदघाटन

राजस्थान की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के लिए जयपुर में होगी इन्वेस्टमेंट समिट

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। राजस्थान की औद्योगिक और आर्थिक व्यवस्था मजबूत हो, इसके लिए भजनलाल सरकार 9 से 11 दिसंबर के बीच 'इन्वेस्टमेंट समिट' का आयोजन करने जा रही है। इस समिट का पीएम नरेंद्र मोदी उद्घाटन करेंगे। जयपुर में आयोजित समिट में राजस्थान में आर्थिक व्यवस्था मजबूत हो और औद्योगिक निवेश बढ़े इसके लिए पीएम मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल बड़े निवेशकों से भी मिटिंग करेंगे। इससे पहले अगस्त सितम्बर में सीएम भजनलाल शर्मा इंग्लैड और जापान में रोड़ समेत कई कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। भजनलाल सरकार 9 से 11 दिसंबर के बीच जयपुर में इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि इस इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से राजस्थान की अर्थव्यवस्था और उद्योगों के निवेश को मजबूत किया जाएं। समिट के माध्यम से निवेशकों का ध्यान खींचा जाए। इसको लेकर सरकार निवेशकों को राजस्थान में निवेश के लिए प्रोत्साहित करेगी। साथ में निवेशकों को एक्सप्लेन किया जाएगा कि राजस्थान में निवेश करने से उन्हें क्या फायदे हो सकते हैं। निवेशकों को राजस्थान की अनुकूल परिस्थितियों के बारे में भी

कन्वेंश किया जाएगा। इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से सरकार निवेशकों को अपनी ओर लुभाने का पूरा प्रयास करेगी। इसको लेकर निवेशकों को राजस्थान की अनुकूल परिस्थितियों की खूबियों के बारे में बताया जाएगा। इसमें केंद्र और राजस्थान में एक ही बीजेपी की सरकार होने, देश की राजधानी से राजस्थान की नजदीकी और राजस्थान में उद्योग स्थापित करने के लिए पर्याप्त जमीन होने अनुकूल परिस्थितियों के माध्यम से निवेशकों का ध्यान खींचा जाएगा। इसके अलावा राजस्थान की देश में महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थिति, समुद्र तट से नजदीकी और सबसे कम अपराध वाले राज्य की खूबियां भी बताई जाएंगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद

हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका, मंदिर के पक्ष में फैसला

द पुलिस पोस्ट

प्रयागराज(एजेंसी)। मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह विवाद में लंबित 18 सिविल वादों की पोषणीयता पर हिंदू पक्ष को बड़ी मिली है। कोर्ट ने कहा कि हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल सिविल वाद पोषणीय है। झटके पर झटका खा रही ईदगाह कमेटी हाइकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। मुस्लिम पक्ष की ओर से सभी सिविल वादों की पोषणीयता को लेकर दाखिल याचिका पर न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन अदालत ने दिन प्रतिदिन लंबी सुनवाई की थी। इसके बाद जून में फैसला सुरक्षित कर लिया था। बृहस्पतिवार को फैसला सुनाया गया। केस की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। हिंदू पक्ष के सिविल वाद शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाकर जमीन का कब्जा देने और मंदिर का पुनर्निर्माण कराने की मांग को लेकर दायर किए गए हैं। दावा है कि मुगल सम्राट औरंगजेब के समय की शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण

भगवान कृष्ण की जन्मस्थली पर बने मंदिर को कथित तौर पर ध्वस्त करने के बाद किया गया है। इसलिए उस विवादित स्थल पर हिंदुओं को पूजा का अधिकार है। वहीं, वादियों की विधिक हैसियत पर सवाल खड़ा करते हुए मुस्लिम पक्ष का कहना है कि श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट और शाही ईदगाह कमेटी के बीच कोई विवाद नहीं है। विवाद खड़ा करने वाले पक्षकारों का जन्मभूमि ट्रस्ट और ईदगाह कमेटी से कोई रिश्ता, वास्ता और सरोकार नहीं हैं। इसके अलावा यह भी तर्क दिया है कि ईदगाह स्थल वक्फ की संपत्ति है। 15 अगस्त 1947 को यह मस्जिद कायम थी। पूजा का अधिकार अधिनियम के तहत अब धार्मिक स्थल का स्वरूप बदला नहीं जा सकता।

मरूधरा में मूसलाधार बारिश से कई इलाके जलमग्न, रिकॉर्ड टूटे

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। प्रदेश में मूसलाधार बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। बारिश के कारण नदियां उफान पर है, खेत लबालब हो गए हैं और निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। इस बारिश ने कई वर्षों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। बगरू में एक बच्चा पानी के बहाव में बह गया। कई जगह कार-बाइक पानी में फंस गई तो वहीं प्रदेश के कई इलाकों में पानी ही पानी हो गया। जयपुर में देर रात से हो रही तेज बारिश ने पिछले 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जयपुर मौसम केन्द्र पर 156 एमएम बारिश दर्ज हुई, जो पिछले 12 साल में अगस्त में हुई सर्वाधिक बारिश है। बारिश के कारण जयपुर की सड़कें नदियों की तरह बहने लगीं। घरों में पानी घुस गया। बसें तक डूबी नजर आईं। पानी के बहाव के कारण कार तक बह गई। सड़कों में जगह-जगह गड्डे हो गए। लोग बह गए, जिन्हें रेस्क्यू किया जा रहा है। द्रव्यवती नदी ओवरफ्लो होकर बहने लगी। सड़के धंसने से स्कूल बस और जेसीबी तक फंस

गई।

इधर जयपुर तहसील पर 225 एमएम यानी 9 इंच बरसात सिंचाई विभाग की ओर से दर्ज की गई। इतनी भारी बारिश के बाद जयपुर में जगह-जगह पानी भर गया। जयपुर गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर सुबह 6 बजे पटरियों पर दो फीट तक पानी भर गया। जो प्लेटफार्म तक आ गया। वीकेआई एरिया में भी एक घर में तीन लोग पानी और मिट्टी आने के कारण फंस गए। वहीं, बगरू थाना इलाके में छीपा मोहल्ला में एक 12 साल का बच्चा पानी में बह गया। जामडोली में सड़क धंसने से एक बस और उसे निकालने आई जेसीबी उस गड्ढे में गिर गई। महारानी फार्म पास द्रव्यवती नदी ओवरफ्लो होकर बहने लगी। गोपालपुरा बाइपास पर घुटनों से ऊपर तक पानी भर गया। द्रव्यवती नदी उफान मारकर बहने लगी, जिसके बाद दुर्गापुरा स्थित महारानी फार्म पर बने रैंप पर वाहनों की वाहजाही को रोककर उसे बीटू बाइपास और रिद्दी-सिद्धी-मानसरोवर कनेक्टिंग रोड पर बने हाइलेवल ब्रिज से डायवर्ट किया गया। जयपुर में तेज बारिश के बाद कॉलोनियां पानी में डूबी नजर आईं। आगरा रोड स्थित कानोता बांध के आसपास (कैचमेंट एरिया) अच्छी बारिश होने के बाद बांध का गेज गुरुवार को 15 सेमी. बढ़ गया, जिसके बाद बांध अब फुल हो गया। इस बांध का शनिवार को गेज 5.03 मीटर था, जो आज सुबह बढ़कर 5.18 मीटर पर आ गया। इसी तरह चाकसू स्थित शील की डूंगरी बांध का गेज 1.52 मीटर से बढ़कर 1.68 मीटर, चंदलाई बांध का गेज 3.15 मीटर से बढ़कर 3.20 मीटर पर आ गया। चंदलाई बांध भी फुल हो गया है और अब यहां चादर चलने की संभावना है। जयपुर में भारी बारिश के बाद कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया है। उन्होंने जयपुर एयरपोर्ट, मालवीय नगर और विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में विजिट करके वहां के जलभराव एरिया में पानी की निकासी के लिए सिविल डिफेंस, नगर निगम को काम तेज करने के निर्देश दिए। जयपुर के जयश्री पेरीवाल, नीरजा मोदी, बचपन प्ले स्कूल समेत कई बड़े स्कूल ने बारिश की वजह से अवकाश घोषित कर दिया है। वहीं, कई स्कूल में स्टूडेंट्स को अवकाश लेने का विकल्प दिया है। स्कूलों की तरफ से बच्चों के पेरेंट्स को पर्सनल मैसेज कर छुट्टी के बारे में जानकारी दी गई। बीसलपुर बांध के कैचमेंट एरिया में बारिश से आज सुबह बांध का गेज बढ़ गया। यहां करीब 3 सेमी. गेज बढ़ा। वर्तमान में बांध का गेज 310.15 आरएल मीटर है, जबकि कल बांध का गेज 310.14 आरएल मीटर था। जयपुर, अजमेर को पानी सप्लाई होने के कारण हर रोज बांध का गेज 2 सेमी. कम हो रहा है। वर्तमान में बांध करीब 29 फीसदी भर गया है।

सिक्किम के नवनियुक्त महामहिम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रोफेसर रमेश कुमार रावत ने लिया आशीर्वाद

द पुलिस पोस्ट

सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलसचिव एवं राजस्थान प्रदेश की राजधानी जयपुर जिले की चोमू नगर के निवासी प्रोफेसर रमेश कुमार रावत ने देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मु की और से सिक्किम के नवनियुक्त महामहिम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से सिक्किम प्रदेश की राजधानी गैंगटोक मे राजभवन मे महामहीम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से सिस्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रोफेसर रमेश कुमार रावत ने महामहिम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से आशर्वाद लिया एवं उन्हे शुभ कामना भी दी।भेट के दोराने प्रोफेसर रमेश कुमार रावत ने महामहिम राज्यपाल सिक्किम प्रदेश ओम प्रकाश माथुर को खादआ पहना कर पुष्प गुच्छे भेट कर स्वागत किया। इसके साथ ही प्रोफेसर रमेश कुमार रावत ने महामहीम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर को रविंद्र नाथ टैगोर द्वारा लिखित देश के रास्ट्र गीत का फोटो फ्रेम एवं मूमेंटो भी भेंट किया। इस अवसर पर प्रोफेस्सर रमेश कुमार रावत की पत्नी सविता देवी रावत एवं पुत्र लीलाधर रावत भी उपस्थित थे।

खखट योजना के तहत स्वीकृत पानी की टँकी 8 साल से निमार्णाधीन, ठेकेदार की मनमानी के चलते ग्रामीण परेशान

द पुलिस पोस्ट

जैसलमेर। राजस्थान सरकार द्वारा शुरु की गई जल जीवन मिशन योजना एक ऐसी योजना है जो राज्य के प्रत्येक गांव और कस्बे में शुद्ध जल की आपूर्ति करना अपना लक्ष्य मानती है। इस योजना के तहत राज्य सरकार लाभार्थियों के लिए शुद्ध जल की आपूर्ति हेतु पानी की टंकी लगवाएगी जिससे जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों में पानी की समस्या से लोगों को छुटकारा मिलेगा। लेकिन सरहदी जिले जैसलमेर के पंचायत समिति फतेहगढ़ के ग्राम पंचायत पाबनासर में यह योजना धूल फाकती हुई नजर आ रही है। इस योजना के तहत 2017 में ग्राम वासियों के लिए पानी की टंकी स्वीकृत हुई थी। लेकिन ठेकेदार की मनमानी के चलते 8 साल बीत जाने के बावजूद पानी की टंकी का निर्माण अभी तक पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में ग्राम वाशिंदे पानी के लिए दर-दर भटकते नजर आ रहे हैं। वहीं इस टंकी के निर्माण को लेकर कई बार ग्रामीण जिला प्रशासन को ज्ञापन के माध्यम से अवगत भी करवा चुके हैं। लेकिन ढ़ाक के तीन पात की कहावत यहां चरितार्थ हो रही है। ठेकेदार की दबंगाई के चलते प्रशासन यहां लाचार नजर आ रहा है जिससे वाशिंदे पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। 8 साल से अटके टँकी निर्माण के कार्य के चलते पाबनासर ग्राम पंचायत सहित आस-पास के इलाके में रहने वाले वाशिंदे भारी भरकम राशि देकर अपने घरों में पानी के टैंकर डलवाने को मजबूर है।

विश्व हिन्दू परिषद् के 60 वर्ष पुर्ण होंने पर होंगे विविध कार्यक्रम

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज प्रखंड बेठक वेरा रामपुरा के कामबेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित हुई जिला सह मंत्री भरत प्रजापति ने बेठक में मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी बजरंग दल संगठन संगठनात्मक जानकारी बताई गई विश्व हिंदू परिषद 60 वर्ष पूर्ण होने पर सृष्टि पूर्ति वर्ष पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों लेकर कार्यकताओं को प्रेरित किया तथा रक्षाबंधन को सामाजिक समरसता के रुप मनाने का निर्णय लिया तथा जिला विशेष संपर्क प्रमुख प्रकाश कुमावत ने बताया शिवगंज प्रखंड के 52 गांवों के नगर वार्ड बस्तियों में सत्संग मिलन शक्ति साधना केंद्र चलायें जायेंगे व जातिवाद ऊच नीच को भुलाकर सर्व हिन्दू समाज को एक मंच जाजम पर लाने का कार्य विश्व हिन्दू परिषद् करेगा बेठक में जिला सह भरत प्रजापति के द्वारा वेरा रामपुरा दायित्व घोषणा में पोसालिया खंड संयोजक विरेन्द्र प्रताप सिंह ग्रामीण अध्यक्ष दिनेश कुमावत उपाध्यक्ष दिनेश कुमार सह संयोजक पियुस कुमार गौ रक्षा प्रमुख चिराग कुमार को बनाया गया उपस्थित यशवंत सिंह देवड़ा हिम्मत सिंह देवड़ा मंछाराम कुमावत ललित कुमार ठाकराराम नवाराम देवासी महेंद्र कुमार कान्तिलाल दिनेश कुमार वरदाराम चिराग मालवीय राहुल कुमार मोडाराम वाघाराम भगाराम अर्जुन कुमार ईश्वर लाल एवं मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी कार्यकर्ता मौजूद रहे

ग्रामीणों का संतुष्टि स्तर बेहतरीन हो, समस्याओं के समाधान में रखें संवेदनशीलताः जिला कलक्टर श्री नमित मेहता

मॉडल तालाब का निरीक्षण किया, पौधारोपण कर कहा- पौधों से भावनात्मक जुड़ाव रखते हुए करें रख-रखाव

जिला कलक्टर तथा पुलिस अधीक्षक ने जिले के दौलपुरा में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित रिपोर्ट के निर्देश

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा जिला कलक्टर श्री नमित मेहता तथा जिला पुलिस अधीक्षक श्री राजन दुष्यंत ने गुरुवार को मांडलगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत दौलपुरा में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई कर ग्रामीणों के अभाव-अभियोग सुने और अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के साथ रिपोर्ट करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर अधिकारी संवेदनशीलता से निस्तारण करें तथा सुनिश्चित करें कि ग्रामीणों का संतुष्टि स्तर बेहतरीन हो। प्रशासन आमजन की समस्याओं के प्रति गंभीर है। इसलिए ग्रामीणों की समस्याओं की संवेदनशीलता देखें और अति आवश्यकता वाले कार्यों को यथाशीघ्र निस्तारित करें। जनसुनवाई में 29 परिवाद प्राप्त हुए। प्रार्थी शंकरलाल ने जिला कलेक्टर के समक्ष पेंशन संबंधी समस्या रखी, जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया और मौके पर ही प्रार्थी के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभ के लिए पंजीयन कर राहत प्रदान की गई। प्रार्थी सूरज सिंह की खातेदारी भूमि पर अतिक्रमण के परिवाद पर जिला कलक्टर ने प्रकरण की जांच कर तहसीलदार को शीघ्र कारवाई कर परिवादी को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त परिवादियों ने जिला कलक्टर के समक्ष पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ दिलाने, पेयजल कनेक्शन करवाने, नामांतरण खुलवाने आदि परिवाद रखे जिसके मौके पर ही संबंधी अधिकारी को निस्तारण के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों ने खाद्य सुरक्षा योजना में नाम नहीं जुड़ने की समस्या रखी, जिस पर संबंधित अधिकारी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर पंजीकरण शुरू नहीं किया गया है। पोर्टल शुरू होने पर उन्हें जानकरी साझा की जाएगी, जिससे वे पंजीकरण करवा सकेंगे। जिला कलक्टर ने उपखंड अधिकारी अजीत सिंह को परिवेदनाओं के निस्तारण की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। बा बापू वाटिका में चरागाह स्थल का अवलोकन किया, वृक्षारोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरूकता का दिया संदेश जिला कलक्टर नमित मेहता, पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत, सीईओ जिला परिषद श्री शिवपाल जाट ने दौलपुरा ग्राम पंचायत की बा बापू वाटिका में चरागाह स्थल का अवलोकन किया, उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा आमजन की मौजूदगी में अशोक का पौधा लगाया। जिला कलक्टर ने सभी ग्रामीणों से पौधरोपण की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पौधारोपण करें व उस पौधे के साथ भावनात्मक जुड़ाव रखते हुए रख-रखाव करें। प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति व पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए वृक्षारोपण करे तथा प्राकृतिक संसाधनों की संरक्षा करे। इससे पूर्व जिला कलक्टर ने दौलपुरा में विकसित मॉडल तालाब का निरीक्षण भी किया। स्थानीय जनप्रतिनिधि की तालाब के विकास में रुचि के लिए सराहना की तथा अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्रधान जितेंद्र मूंदड़ा, सरपंच रामजस शर्मा, तहसीलदार ललित कुमार डीडवानिया, बीडीओ भानुप्रताप सिंह, जिला स्तरीय अधिकारी समेत सभी विभागों के ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक फंदे से लटक कर दो भाइयों ने किया सुसाइड घर में चारपाई और जमीन पर पड़े मिले शव

द पुलिस पोस्ट

लालसोट-दौसा। दौसा में दो भाइयों ने एक फंदे से लटक कर सुसाइड कर लिया। गांव से कुछ दूर चारागाह की जमीन पर बनी झोपड़ी में एक भाई का शव चारपाई जबकि दूसरे का फर्श पर पड़ा था। मामला लालसोट में रामगढ़ थाना इलाके के गांव जगनेर तुर्कान का है। थाना प्रभारी बुद्धि प्रसाद ने बताया- गुरुवार सुबह 10 बजे सूचना मिली कि जगनेर तुर्कान गांव से कुछ दूर झोपड़ी में दो भाई बेहोश पड़े हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो कालूराम (22) चारपाई और उसका छोटा भाई भूराराम (19) जमीन पर पड़ा था। दोनों की मौत हो चुकी थी। दोनों के गले पर फंदे के निशान थे। पुलिस का कहना है कि दोनों ने एक ही फंदे से लटक कर सुसाइड किया है। शव रामगढ़ पचवारा उप जिला हॉस्पिटल की मॉच्युरी में रखवाए गए हैं। परिजन की ओर से अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

पांच दिन पहले ही जयपुर से लौटे थे

पुलिस के अनुसार, कालूराम और भूराराम, दोनों अविवाहित थे। उनकी मां का निधन कुछ साल पहले हो गया था। दोनों जयपुर में रहकर मजदूरी करते थे। चार-पांच दिन पहले ही दोनों जयपुर से लौटे थे। रामगढ़ थाना प्रभारी ने बताया- दोनों लड़कों के शव सुबह सबसे पहले पिता कल्याण मीणा ने देखे। उस वक्त वह नशे में था। घर पहुंचा तो दोनों बेटों के शव देख हल्ला मचाते हुए गांव पहुंचा। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। कल्याण मीणा साझे में गांव के ही एक किसान के साथ खेती करता है। कल्याण की झोपड़ी गांव से 200 मीटर दूर है। बांसखोह (जयपुर ग्रामीण) में रहने वाले कल्याण के भाई के परिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद दोनों शव सौंपे जाएंगे। पुलिस ने बताया- मौके पर पहुंचे तो कल्याण मीणा शराब के नशे में था। वह बात करने की स्थिति में नहीं है। उससे पूछताछ की जाएगी। वह झोपड़ी में अकेले रहता है। दोनों बेटे आते थे तो वे भी यहीं रहते थे। पड़ोस में रहने वाले मुनाफ खान ने बताया- दोनों के गले पर दुपट्टा लिपटा हुआ मिला था। लटकने से दुपट्टे से बनाया फंदा टूट गया। इससे शव जमीन पर गिरे मिले। पिता और बेटों में शराब के नशे में खूब लड़ाई-झगड़ा होता था। परिवार की आर्थिक स्थिति भी खराब है।

चोरी हुए मोबाइल मिलने पर चेहरे पर मुस्कान दौड़ी:पुलिस ने 10 लाख कीमत के 32 मोबाइल मालिकों को लौटाए

द पुलिस पोस्ट

डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले में चोरी और गुम हुए मोबाइल गुरुवार को वापस मिलने पर लोगों के चेहरे पर मुस्कान दौड़ गई। पुलिस के विशेष अभियान के तहत करीब 10 लाख रुपए कीमत के 32 मोबाइल उनके मालिकों को लौटाए। एसपी ऑफिस में एसपी मोनिका सैन ने मोबाइल धारकों को बुलाकर मोबाइल सुपुर्द किए। डूंगरपुर एसपी मोनिका सैन ने बताया की डूंगरपुर जिले के थाना क्षेत्रों में गुमशुदा और चोरी हुए मोबाइल फोन की डिटेल एकत्र कर पुलिस टीमों द्वारा कई दिनों तक तकनीकी विश्लेषण कर मोबाइल फोन को ट्रेस किया। इसके बाद मोबाइल फोन को अलग-अलग जगहों से बरामद किया गया। बरामद मोबाइल फोन के मालिकों ने अलग-अलग थानों में शिकायत दर्ज करवाई थी। इसी आधार पर इन लोगों को बुलाकर मोबाइल सुपुर्द किए हैं। उन्होंने बताया की विशेष अभियान के तहत करीब 10 लाख रुपए के 32 मोबाइल बरामद किए थे। इन बरामद मोबाइल के मालिकों को मोबाइल सुपुर्द कर दिए गए है। जिले में चोरी और गुम हुए मोबाइल की बरामदगी के लिए एसपी मोनिका सैन के सुपरविजन मे साइबर पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर बरामद करने में सफलता हासिल की है।

सरकार वाल्मीकि समाज के प्रति सकारात्मक पहल कर सफाई व्यवस्था को बहाल करावे

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, पिछले कुछ दिनों से सफाई कर्मियो की झाड़ू डाउन के कारण चहुंओर सफाई व्यवस्था बेपटरी होने से कचरों गदंगी के ढेरों और नालीयो से गली मोहल्लों सड़कों पर फैलते गन्दे पानी के बीच गुजरने और कचरें गदंगी किचड़ पानी की बदबू से आम लोगों का जीना मुश्किल हो गया है नगर परिषद के पिछवाड़े भवन में चल रही अन्नपूर्णा रसोई के मुहाने लगे कचरें गदंगी के ढ़ेर से उठती बदबू के कारण अन्नपूर्णा रसोई में भोजन करने वाले लोगों को भारी परेशानी हो रही है जिससे अन्नपूर्णा रसोई का एक तरफ का गेट बंद रखा जा रहा है सरजावाव दरवाजे के भीतर और बाहर पसरी गदंगी किचड़ और बहता गंदा पानी और बदबू से लोगों का जीवन बेहाल बना हुआ है अनोप स्वामी झुपडी से अरिहंत अस्पताल तक सड़क पर फैला कचरें का ढ़ेर आवागमन बाधित तो कर रहा है पर अस्पताल परिसर की दिवार से लगते गंदगी के ढ़ेर और बदबू से अस्पताल के वार्डों में भर्ती मरीज भी परेशानी उठा रहे हैं पूर्ववर्ती सरकार के समय में सफाई कर्मचारी भर्ती में गैर वाल्मीकि समाज के लोगों की भर्ती किए गए थे जिस पर वाल्मीकि समाज के लोगों ने गैर वाल्मीकि समाज के सफाई कर्मचारीयों को सफाई कार्य में नहीं लगाने पर कई बार झाड़ू डाउन तक हुए राज्य सरकार को अतिसंवेदनशील मुद्दे पर अविलंब वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों से समझौता वार्ता कर सफाई व्यवस्था को तुरंत बहाल करने की और आगे बढ़े आखिर कितने दिनों तक सफाई व्यवस्था ठप्प रखी जा सकती है।

छात्रसंघ चुनाव बहाली व तिथि घोषित को लेकर एनएसयुआई ने मुख्यमंत्री के नाम प्राचार्य को ज्ञापन दिया

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज छात्र संघ चुनाव को लेकर एनएसयुआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ के निदेर्शानुसार शिवगंज पीजी महाविद्यालय में पूर्व एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट चंपालाल तीरगर के नेतृत्व में छात्र संघ चुनाव बहाल व तिथि घोषित को लेकर मुख्यमंत्री के नाम प्राचार्य रवि शर्मा को ज्ञापन दिया। तीरगर ने कहा की सरकार से आग्रह है कि छात्रसंघ चुनाव तिथि जल्द से जल्द जारी करें जिससे युवाओं को राजनीति में आगे आने का मौका मिल सके नही तो एनएसयुआई संगठन को पूरे प्रदेश भर में मजबूरन उग्र आंदोलन करना पड़ेगा। छात्र नेता देवासी ने कहा कि छात्र संघ चुनाव राजनीति की प्रथम पाठशाला है जिससे स्वस्थ राजनीति व पढ़े-लिखे युवा नेतृत्व कर सके एवं युवा आगे जाकर देश व राज्य की राजनीति में अपना योगदान दे सके। एनएसयुआई छात्र नेता राहुल सांवरिया ने कहाँ कि छात्र हितों की वाजिब मांग उठाना एक छात्र नेता ही कर सकता है इस दौरान हेमन्त देवासी, पूर्व एनएसयुआई नगर अध्यक्ष अभिषेक भाटी, श्रवण परमार, कोहिनूर परिहार, जतिन कुमावत, कार्तिक, धवलेष मीणा, राज मीणा, कपिल, महिपाल, विजय कुमार सहित बड़ी संख्या में एनएसयुआई कार्यकर्ता मौजूद रहे

चीन में फिरौती के लिए राजस्थान के युवक का मर्डर:38 वें दिन आज दिल्ली पहुंचेगा शव

द पुलिस पोस्ट

भीनमाल-जालोर। एक करोड़ रुपए की फिरौती नहीं देने पर चीन में भीनमाल (जालोर) के युवक को चार मंजिला इमारत की छत से फेंक कर मर्डर कर दिया गया। हत्या के 38वें दिन शव आज गुरुवार रात 8 बजे कार्गो फ्लाइट से दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचेगा। कल शुक्रवार को परिजन शव भीनमाल लेकर पहुंचेंगे। सूचना के साथ ही परिजन दिल्ली के रवाना हो गए। मृतक युवक सतीश माली के चाचा मोहनलाल ने बताया- चीन में रहने वाले राजस्थानी व्यापारियों के सहयोग से शव को रवाना किया गया है। दूतावास में सूचना के बाद भी सहयोग नहीं किया, ये सरकार की नाकामी है। इधर, चीन में अपहरण कर हत्या के मामले में 8 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया गया है। अब युवक के किडनैप करने में दो भारतीय लोगों की अहम भूमिका भी जांच में सामने आई है।

बता दें भीनमाल के भागलभीम रोड निवासी सतीश (24) पुत्र नरसा राम माली का 21 जून को चीन में किडनैप किया गया था। इसके बाद किडनैपर्स ने वॉट्सऐप कॉल के जरिए 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी।

पैसे मुंबई में हवाला के जरिए एक व्यापारी को देने के लिए कहा गया। परिवार वाले रुपयों की व्यवस्था नहीं कर पाए तो चार मंजिला इमारत से नीचे फेंक कर सतीश की हत्या कर दी। इसकी जानकारी परिजनों को 24 जून को दी गई। इसके बाद इसके परिजन लगातार शव को भारत लाने के लिए प्रयास करते रहे। सतीश दो साल से चीन में रहकर मोबाइल एसेसरीज सप्लाई का काम कर रहा था। चाचा मोहनलाल माली ने बताया- 31 जुलाई को व्यापारियों के सहयोग से सतीश के शव को कार्गो से भारत के लिए रवाना किया गया है। हत्या के 38वें दिन 1 अगस्त रात 8 बजे तक दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचेगा। जहां से 2 अगस्त को शाम तक भीनमाल पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया- किडनैप की कॉल आने पर 22 जून को ही भारतीय दूतावास को सूचना दी थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अगर सरकार एक्शन लेती तो आज सतीश जिंदा होता। ये सरकार की नाकामी है। हत्या के बाद भी लगातार विदेश मंत्रालय को अवगत करवाया गया था, लेकिन सरकार ने कोई सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय सांसद लुंबाराम चौधरी और राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत का पूरा सहयोग रहा।

व्यक्तिगत संपर्क कर व्यापारियों का सहयोग लिया

चचेरे भाई दिनेश ने बताया- चीन सरकार ने शव 7 दिन पहले सुपुर्द कर दिया था। 24 जुलाई तक दूतावास में बार-बार अवगत कराने के बाद भी अनुमति नहीं मिली। इसके बाद व्यक्तिगत संपर्क करके चीन में बैठे मारवाड़ी व्यापारियों, आरडी फाउंडेशन के सहयोग से शव को भारत के लिए रवाना किया गया।

38 दिन से परिवार खर्चा उठा रहा है। सतीश का परिवार परिवार बीपीएल श्रेणी में आता है। ऐसे में सहायता के लिए सभी दस्तावेज दूतावास को सौंपे थे, लेकिन कोई मदद नहीं मिली।

वारदात में 2 भारतीय मूल के आरोपी भी शामिल

चाचा मोहनलाल माली ने बताया- चीन में किडनैप कर हत्या के मामले में आठ लोगों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। दो व्यापारी भारतीय मूल के इस फिरौती में शामिल बताए जा रहे हैं। चीन की पुलिस ने बताया कि ये दोनों लोग फिरौती के दौरान मारवाड़ी भाषा में हुई वार्ता को ट्रांसलेट कर समझा रहे थे। उनकी भी अहम भूमिका बताई जा रही हैं। उनके नाम वहां की कोर्ट में चार्जशीट पेश होने के बाद ही पता लग पाएंगे।

मकान मालिक की लापरवाही से गौमाता की जान जा सकती थी

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज शान्ति नगर गली 5 निर्माणधीन टंका मे कार्य खुली पड़ी पानी की टंकी में गोमाता गिर गई थी जिसकी जानकारी समाजसेवी पार्षद राजेश अहीर द्वारा एनिमल हेल्प रेस्क्यू टीम संचालक महीपाल रावल को दी गई जहा काफी मस्कत के बाद क्रेन और जेसीबी के सहयोग से बहार निकाला गया शिवगंज मे कही जगह पर ऐसे निर्माण कार्य चालू है और खुले पड़े खड्डे नजर आ रहे है आए दिन गोमाता या नंदी महाराज गिर रहे है अभी बारिश का समय है खुले पड़े नाले और खड़े बंद करवाए या फिर कोई बड़ी घटना का निमत्रन दे रहे है इस मौके पर राजेश अहीर महीपाल रावल मीतसोनी रुद्र नानावती राजूबोराना देव रोहित शर्मा मयंक सैन राजेश बिजवान खुशवंत अहीर उत्तम परमार एनिमल हेल्प रेस्क्यू टीम मौजूद रही

विधुत विभाग की लापरवाही से नंदी महाराज की मृत्यू हुई

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज कोर्ट के बाहर लगा विद्युत ट्रांसफार्मर जहा निराश्रीत गोवंश भोजन की तलाश मे भटकने के कारण विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही के चलते गई नंदी जान आखिर बिन बारिश बिन आंधी कैसे दौड़ा करंट जिस दीवार लोग टॉयलेट करने जाते है लोग गनीमत रही नही घटी कोई जनहारी जिसकी जानकारी जैसे एडवोकेट राजकुमार चितारा ने एनिमल हेल्प रेस्क्यू टीम गो सेवक महीपाल रावल को दी टीम लेकर पहुंचे मौके पर जाकर रावल ने बताया कि विद्युत विभाग और अधिकारियों बड़ी लापरवाही चलते कही गोवंश और नंदी की जान जा चुकी है यह घटना अगर किसी मनुष्य के साथ होती तो शिवगंज के कही जनप्रतिनिधि राजनीतिक दल प्रशासन विद्युत विभाग पर कारवाई करते

अजमेर में 2 दुकानों के एक साथ टूटे ताले:80 हजार रुपए और चांदी के आइटम ले गए

सीसीटीवी के वायर और अन्य केबल काटी

द पुलिस पोस्ट

अजमेर। अजमेर में शातिर चोरों ने शहर के व्यस्त बाजार आगरा गेट में स्थित गणेश मार्केट में वारदात कर पुलिस गश्त को चुनौती दी है। मार्केट के मुख्य गेट पर ताला लगा था, चोर पास की बिल्डिंग की छत से मार्केट में घुसे। सबसे पहले सीसीटीवी के वायर के साथ अन्य केबल काटी। मार्केट की दो दुकानों के कुंदे फनर से काट कर चोरों ने सामान खंगाल दिया। पूजा मेडिकल और महेश गारमेंट्स की दुकानों से चोर करीब 80 हजार रुपए कैश और करीब ढाई किलो चांदी के आइटम ले गए। मार्केट खुला तो दुकानदारों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का मुआयना किया। दुकानदारों ने बताया कि चोरों ने कैमरे के वायर काट दिए और डीवीआर भी साथ ले गए। क्षेत्रीय लोगों ने इलाके में पुलिस निगरानी बढ़ाने की जरूरत बताई है। सुरेश तंबोली के अनुसार इलाके में आगरा गेट पुलिस चौकी ज्यादातर समय बंद रहती है।

12 रुपए महंगा हुआ कॉमर्शियल सिलेंडर, 1727 में मिलेगा:छोटे दुकानदारों पर पड़ेगी मार,

द पुलिस पोस्ट

झालावाड़। गुरुवार 1 अगस्त को तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ा कर उपभोक्ताओं को झटका दिया है, जबकि पिछले महीने रेट में कमी की गई थी। बढ़ाई गई कीमत के अनुसार आज 1 अगस्त से 1727 रुपए में कॉमर्शियल सिलेंडर मिल रहा है। है। दामों में बढ़ोतरी के बाद अब झालावाड़ के उपभोक्ताओं को कॉमर्शियल सिलेंडर 1727 रुपए में मिलेगा। इस बार तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल सिलेंडर के दामों में 12 रुपए की बढ़ोतरी कर दी है। इससे छोटे स्तर पर अपना व्यवसाय करने वाले दुकानदारों को महंगाई का सामना करना पड़ेगा। जबकि घरेलू सिलेंडर की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। पिछ्ली बार तेल कंपनियों ने 1 तारीख (जुलाई) को जारी की रेट की सूची में 31 रुपए की कमी कर राहत दी थी, लेकिन फिर से इस माह बढ़ोतरी होने से खान पान चाय नाश्ते आदि महंगे मिलेंगे। जुलाई में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1715 रुपए थी, ऐसे में अब नई कीमत के अनुसार 12 रुपए जोड़ने के बाद आज से 1727 रुपए में यह सिलेंडर मिलेगा।

जिला कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा – शाहपुरा

कॉंग्रेस जनों ने जयन्ती पर सुखाडिया को किया याद और प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा के 4 साल पूर्ण होने पर किया पौधारोपण

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा आज जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के नेतृत्व में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया की जयंती के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। साथ ही राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के 4 साल पूर्ण होने पर कांग्रेस कार्यालय में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुऐ जिला कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने कहा कि आधुनिक राजस्थान के संस्थापक , निमार्ता एवं पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया की उपलब्धियों को हम अंगुलियों पर नहीं गिना सकते। सुखाड़िया जी राजस्थान के सबसे प्रतिभाशाली मुख्यमंत्री रहे तथा राजस्थान के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है । प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा जी ने चार साल के कार्यकाल में संगठन की मजबूती के लिय? चहुंमुखी विकास के लिय? निरन्तर कार्य किया है। संगठन को मजबूत कर नये कीर्तिमान स्थापित किये है। दुर्गेश पानेरी ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व सभापति मंजू पोखरणा , मधु जाजू , नेता प्रतिपक्ष नगर परिषद धर्मेंद्र पारीक, रामलाल गाडरी, मनोज पालीवाल, सेवादल जिला अध्यक्ष योगेश सोनी , महेश सोनी, आशीष राजस्थला, राजकुमार प्रजापत, जितेंद्र दरयानी, गुडविन मशीह, सुरेश बंब , मुकेश खोईवाल, मंजू राठौड़ , पूर्व सरपंच बड़ला देवबक्ष जाट ,खेमराज पनवा , मुस्ताक अली मंसूरी, चंद्रप्रकाश अमरवाल, शिवराज सुराणा, मुकेश हरफूल जाट , अतुल सुराणा, कुंदन शर्मा, गौरी शंकर दायमा , राजेश शर्मा, सी पी खटीक ,लक्ष्मण कीर ,योगिता सुराणा , ममता शर्मा, लोकेश शर्मा , दीपमाला लोट सहित कई कॉंग्रेस जन उपस्थित थे।

रोडवेज बस ने टक्कर दी, एक कांवड़िए की मौत:तड़के सवा 4 बजे एक्सीडेंट, दूसरा गंभीर घायल, थाने जाकर पुलिस को जगाया

द पुलिस पोस्ट

अलवर। सिकंदरा मेगा हाइवे पर कलसाड़ा बाइपास के निकट गुरुवार तड़के करीब सवा 4 बजे रोडवेज बस ने दो कावंडियों को टक्कर मार दी। जिससे एक की मौत हो गई। दूसरा गंभीर घायल है। बाद में कांवडियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर रोड जाम कर दिया। मृतक के परिजनों के लिए मुआवज की मांग की है। कावड़िए ने बताया कि सुबह करीब सवा 4 बजे का समय था। हम कमल होटल के पास थे। सुबह फ्रेश होने के लिए अलग-अलग छंट गए थे। तभी एक रोडवेज बस ने सफेद पट्टी से नीचे उतरकर दो जनों को टक्कर दी। जिसमें बरखेड़ा निवासी मुरारी चौधरी की मौत हो गई। वहीं दूसरा राजवीर चौधरी गंभीर घायल हुआ है। टक्कर के बाद रोडवेज ड्राइवर बस को लेकर फरार हो गया। इसके बाद कांवड़ियों ने एक दूसरे को फोन कर सूचना दी। तब कुछ कांवड़िए मौके पर एकत्रित हुए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

पुलिस थाने में फोन नहीं उठा, थाने जाकर जगाया

कांवड़ियों ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद पुलिस को फोन किए। किसी ने फोन नहीं उठाया तो मालाखेड़ा थाने पहुंचे। वहां सोती हुई पुलिस को जगाया। इसके बाद पुलिस मौके पर आई। बाद में ग्रामीण मौके पर आते गए और रोड जाम कर दिया। इसके बाद पुलिस प्रशासन ने समझाइश की। ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को मुआवज देने की मांग की। मृतक के एक छोटा बच्चा है।

शैक्षिक संगोष्ठी में शिक्षाविदों ने दी वाताएँ

सेवानिवृत्ति शिक्षक ईश्वर सिंह राव को ग्रामीणों ने बिठाया कंधों पर

द पुलिस पोस्ट

सिरोही - राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उथमण में शिक्षा विदों की शैक्षिक संगोष्ठी व सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया। प्रधानाचार्य नरेश कुमार के अनुसार शैक्षिक संगोष्ठी व सेवानिवृत्ति समारोह में सरपंच वैर सिंह देवड़ा,सेवानिवृत्त शिक्षाविद हम्मीर सिंह राव का आथित्य रहा। समारोह को उप प्रधानाचार्य राधेश्याम सिंह सिंदल, वरिष्ठ अध्यापक बाबू सिंह राव, व्याख्याता भरत कुमार रावल , कर्मचारी नेता गोपाल सिंह राव, प्रधानाध्यापक महेंद्र पाल सिंह ने संबोधित कर छात्र हित, समाज हित, पर्यावरण संरक्षण पर वाताएँ दी। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षक ईश्वर सिंह राव व वरिष्ठ सहायक दिनेश कुमार शर्मा का विद्यालय परिवार, गणमान्य नागरिकों,जन प्रतिनिधियों, परिजनों ने बहुमान किया।शिक्षक ईश्वर सिंह राव ने 32 वर्ष तक एक समर्पित शिक्षक के रूप में बेदाग सेवाएं दी। छात्र हित को सर्वोपरि मानकर बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु हमेशा समर्पित रहे।राव के सेवाओं की सभी ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की । ग्राम वासियों तथा विद्यालय परिवार ने ईश्वर सिंह राव को कंधों पर बिठा कर ऐतिहासिक सम्मान दिया। राव का उथमण से पोसालिया तक भव्य स्वागत समारोह हुआ। स्वागत समारोह में सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी मांगी लाल गर्ग,सरपंच प्रतिनिधि मान सिंह राव, प्रधानाचार्य श्रीमती शशि चौरड़िया,प्रधानाचार्य बलवीरसिंह सिसोदिया,महेंद्र सिंह राव, प्रधानाचार्य दशरथ सिंह राव, शिक्षा बचाओ समिति राजस्थान के प्रदेश संयोजक गोपाल सिंह राव, व्याख्याता माधु सिंह मीणा,जब्बर सिंह चौहान,भरत सिंह कुम्पावत,एडवोकेट भवानी सिंह, एडवोकेट जितेन्द्र सिंह, एडवोकेट कमल सिंह,प्रवीण सिंह, प्रधानाध्यापक अर्जुन सिंह राव , सेवानिवृत्त व्याख्याता ललित त्रिवेदी,नरेंद्र सिंह,वन विभाग से सेवानिवृत्त नरपत सिंह चांदाणा,शेर सिंह,मालदेव सिंह, नरेंद्र सिंह,योगेन्द्र पाल सिंह, बाबू लाल मीणा,भगवान राम मेघवाल सहित सैकड़ों अधिकारी कर्मचारियों, गणमान्य नागरिकों, समाज बन्धुओं, परिचित,शुभ चिंतकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मंच संचालन दिनेश कुमार रावल ने किया।

विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर शिक्षक का जन्मदिवस मनाया गया

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज संघवी बाबूलाल अचलाजी जैन (तखतगढ़वाला) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दादावाड़ी शिवगंज में कार्यरत शिक्षक रमेशचन्द्र आगलेचा का जन्मदिवस प्रधानाचार्य डॉ हनवंतसिह मेड़तिया के सान्निध्य में विद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर मनाया गया। इस अवसर पर पीपल व नीम के पौधों का रोपण किया गया। प्रधानाचार्य डॉ मेड़तिया व एक व्यक्ति एक पौधा मिशन के संस्थापक ,राष्ट्रीय ब्रांड एम्बेसडर पर्यावरण प्रेमी ओमप्रकाश कुमावत ने वरिष्ठ अध्यापक व राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ शिवगंज के सचिव रमेशचन्द्र आगलेचा का माल्यार्पण कर जन्मदिवस की बधाई व शुभकामनाएं दी। संस्था प्रधान डॉ मेड़तिया ने संवाददाता को बताया कि पर्यावरण संरक्षण, विद्यालय विकास व विद्यार्थी हित में शिक्षक रमेशचन्द्र आगलेचा का कार्य सराहनीय है। पर्यावरण प्रेमी ओमप्रकाश कुमावत ने स्काउट्स विद्यार्थियों को नवाचार के तौर पर बताया कि बाजार में मिलने वाले दूध की थैली को फैंकने के बजाय उसमें मिट्टी भरकर उसमें बीज डालकर पौधा तैयार कर सकते है व थोड़ा बड़ा होने पर गड्ढे में रोपित कर नियमित देखभाल करने पर वह पेड़ बन सकता है। इस अवसर पर समाजसेवी भगवानराम देवासी सिन्दरू, व्याख्याता बलवंतसिंह राठौड़, कांतिलाल, वरिष्ठ अध्यापक वेलाराम मीणा, राजेन्द्रकुमार गेहलोत, श्रवणसिंह देवड़ा, रमेशकुमार परिहार, मगनकुमार वैष्णव, जोराराम मेघवाल, फरजाना शरीफ, चंदा मीणा, वरिष्ठ सहायक नारायण मीणा, कनिष्ठ सहायक नरेन्द्रकुमार, कांताबाई, बसंतीबाई, भावना, अफसाना, सोनल, स्काउट राहुल, महर्थ, भावेश, मानवीरसिंह व विद्यार्थी उपस्थित थे।

ओलम्पिक 2024 में भारत के ऐतिहासिक धमाल की उम्मीदें

ललित गर्ग

नित-नयी विपरीत स्थितियों की धुंध को चीरते हुए भारत के खिलाड़ी एवं खेल प्रतिभाओं के जज्बे से ऐसे उजालों का अवतरण होगा कि दुनिया आश्चर्य करेंगी। एक ऐसी रोशनी अवतरित होगी जिससे भारतवासियों को प्रसन्नता, गर्व, अभय एवं आशा का प्रकाश मिलेगा। 2024 के पेरिस ओलंपिक से हमें बेहद उम्मीदें हैं। क्योंकि यहां तक पहुंचते-पहुंचते कईयों के घुटने घिस जाते हैं। एक बूंद अमृत पीने के लिए समुद्र पीना पड़ता है। पदक बहुतों को मिलते हैं पर सही खिलाड़ी को सही पदक मिलना खुशी देता है।

एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों की तब मि यां तन गयी, यकीनन ये गर्व के क्षण हैं, जब मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने ओलम्पिक में पदक दिलाये। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्द्धा का कांस्य पदक कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड को समेटे हुए है। 28 जुलाई को 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग श्रेणी में कांस्य जीतकर मनु पहले ही निशानेबाजी में देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन चुकी हैं और अब इस नई कामयाबी के साथ एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने का राष्ट्रीय गौरव एवं ऐतिहासिक कीर्तिमान भी उनके हिस्से आ गया है। दोनों खिलाड़ियों ने जता दिया कि खेलों में ही वह सामर्थ्य है कि वह देश एवं दुनिया के सोये स्वाभिमान को जगा देता है, क्योंकि जब भी कोई अर्जुन धनुष उठाता है, निशाना बांधता है तो करोड़ों के मन में एक संकल्प, एकाग्रता का भाव जाग उठता है और कई अर्जुन पैदा होते हैं। अनूठा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी माप बन जाते हैं और जो माप बन जाते हैं वे मनुष्य के उत्थान और प्रगति की श्रेष्ठ, सकारात्मक एवं राष्ट्र को गौरवान्वित करने की स्थिति है। पेरिस में खेलों के महाकुम्भ ओलम्पिक 2024 के आयोजन में भारतीय खिलाड़ियों का जज्बा, ऐतिहासिक प्रदर्शन एवं संकल्प भारतीय मनुष्य के मन और माहौल को बदलने का माध्यम बनेगा, ऐसा विश्वास है। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से भारत में ऊर्जा का संचार होगा, विश्वास, उम्मीद एवं उमंग जागेगी। जीवन के प्रति सकारात्मक रवैये को भी ये भारतीय खिलाड़ी नया आयाम देंगे।

शाबाश मनु! तुमने न केवल हरियाणा बल्कि भारतीय लैंगिक भेदभाव की मानसिकता को चुनौती दी है, मनु की दोहरी सफलता का संदेश साफ है कि 'बेटी पढ़ाओ, खूब खेलाओ।' बेटियां भारत का मान एवं शान बनकर दिखायेंगी। मनु ने दो कांस्य पदक ही नहीं जीते, कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। वह ओलंपिक में शूटिंग में पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी ही नहीं बनी, बल्कि भारत की ओर से एक ही ओलंपिक में दो पदक हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी भी बनी। मनु की यह उपलब्धि इस मायने में भी खास है कि टोक्यो ओलंपिक में उसकी पिस्टल में खराबी आने के कारण वह जीत के दरवाजे के बाहर से ही लौट आयी थी। वह लंबे समय तक तकनीकी कारणों से मिली असफलता के तनाव एवं अवसाद से जूझती रही। लेकिन उस असफलता के अवसाद को दरकिनार कर दोहरी सफलता पाना नि त रूप से तमाम युवाओं के लिये प्रेरणा की मिसाल बनी है, वास्तव में हमारी नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदलने का सशक्त माध्यम बनी है। इस खेलों के महाकुम्भ से नि त ही अस्तित्व को पहचानने, दूसरे अस्तित्वों से जुड़ने, विश्वव्यापी पहचान बनाने और अपने अस्तित्व को दुनिया के लिये उपयोगी बनाने की भूमिका बनेगी।

राष्ट्र का एक भी व्यक्ति अगर दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने की ठान ले तो वह शिखर पर पहुंच सकता है। विश्व को बौना बना सकता है। पूरे देश के निवासियों का सिर ऊंचा कर सकता है, भले ही रास्ता कितना ही कांटों भरा हो, अवरोधक हो। देश में प्रतिभाओं और क्षमताओं की कमी नहीं है। चैंपियंस अलग होते हैं, वे भीड़ से अलग सोचते एवं करते हैं और यह सोच एवं कृत जब रंग लाती है तो बनता है इतिहास। हमारे खिलाड़ी कुछ इसी तरह चैंपियन बनकर उभरेंगे, दुनिया को चौंकाएंगे, सबके प्रेरणा बनेंगे, ऐसा विश्वास है। दस मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड टीम इवेंट में मनु और सरबजोत सिंह की कामयाबी कई मायनों में खास है क्योंकि उन्होंने कोरिया के दिग्गज खिलाड़ियों को हराकर यह सफलता हासिल की। कोरियाई टीम में एक वह शूटर भी शामिल थी जिसने रविवार के दस मीटर एयर पिस्टल वर्ग में नये ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता था। यह जीत इन खिलाड़ियों के मजबूत मानसिक स्तर की ही परिचायक है क्योंकि शूटिंग के खेल में गहरी मानसिक एकाग्रता व ऊंचे आत्मविश्वास की जरूरत होती है।

मनु ने अपनी पिछली हार को प्रेरणा का माध्यम बनाया, भगवद् गीता के सर्वकालिक संदेश कर्म किए जाने के मंत्र का अनुसरण करते हुए मनु ने नये संकल्प एवं बुलंद इरादे से मेहनत की। एक साल में चार कोच आजमाने के बाद फिर पुराने कोच जसपाल राणा को याद किया। जसपाल भी जानते थे कि मनु में इतिहास की नई इबारत लिखने की संभावना निहित है। जसपाल भी अपनी अकादमी के सौ छात्रों को भुलाकर पेरिस में मनु को कामयाब बनाने में जुटे। निस्संदेह, देश में खिलाड़ियों की कमी नहीं है। जरूरत है उन्हें वह वातावरण देने की, जिसमें उनकी प्रतिभा में निखार आ सके। केंद्रीय खेल मंत्री के अनुसार, खेलो इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्र सरकार ने मनु भाकर की ट्रेनिंग में दो करोड़ रुपये खर्च किए। यह सुखद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत दिलचस्पी ने खेल-कूद के प्रति सार्वजनिक प्रयासों को एक नई ऊर्जा दी है। देश के हरेक हिस्से से प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें तराशने वाले अकेले खेलो इंडिया कार्यक्रम के लिए 900 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन इसका प्रमाण है। मनु और आगे बढ़ो, क्योंकि देश को तुमसे एक और पदक की उम्मीदें लगी है। अभी पेरिस में मनु की प्रिय स्पर्धा पच्चीस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा बाकी है। उम्मीद करें की एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों की उम्मीदों पर मनु फिर खरी उतरेगी।

देश की आर्थिक समृद्धि ने सरकारों को जहां खेलों में अधिक निवेश की सहूलियत दी। दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश खेलों में भी अग्रणी बन रहा है। समाज ने भी खेल-कूद से जुड़े अपने पुराने जुमलों एवं संकीर्ण मानसिकता को बदला है। परिणाम सामने है। आज हम दहाई अंक में ओलंपिक पदकों की उम्मीद बांध रहे हैं, तो मनु भाकर का शानदार आगाज इस अपेक्षा को मजबूत आधार दे रहा है। मगर अभी भारत को मीलों की दूरी तय करनी है। ओलंपिक की पदक तालिका में शीर्ष क्रम पर आने के लिए हमें अपने खेल संगठनों को पेशेवर बनाना होगा, उन्हें राजनीतिक विवादों एवं राजनीति से दूर रखना होगा। पिछले दिनों कुश्ती महासंघ के विवाद ने काफी कटु स्मृतियां छोड़ी हैं। ऐसे विवादों के त्वरित निपटारे की जरूरत है, ताकि खिलाड़ी हताश न हों और उनको अदालत की शरण लेने की नौबत न आए। भारतीय खिलाड़ी निशानेबाजी, कुश्ती, भारोत्तोलन, हॉकी, भाला फेंक, बॉक्सिंग में अपना लोहा मनवा चुके हैं, दूसरी विधाओं में भी संभावनाएं कम नहीं हैं। मनु भाकर जैसी प्रतिभाएं आश्वस्त कर रही हैं कि अपनी कमियों को जीतना हम जानते हैं। भरोसा रखिए, ओलंपिक खेलों में हमारे गौरव के पदक धारक बेटे-बेटियों की तादाद पर दुनिया ईर्ष्या करने को बाध्य होगी।

नित-नयी विपरीत स्थितियों की धुंध को चीरते हुए भारत के खिलाड़ी एवं खेल प्रतिभाओं के जज्बे से ऐसे उजालों का अवतरण होगा कि दुनिया आ र्य करेंगी। एक ऐसी रोशनी अवतरित होगी जिससे भारतवासियों को प्रसन्नता, गर्व, अभय एवं आशा का प्रकाश मिलेगा। 2024 के पेरिस ओलंपिक से हमें बेहद उम्मीदें हैं। क्योंकि यहां तक पहुंचते-पहुंचते कईयों के घुटने घिस जाते हैं। एक बूंद अमृत पीने के लिए समुद्र पीना पड़ता है। पदक बहुतों को मिलते हैं पर सही खिलाड़ी को सही पदक मिलना खुशी देता है। ये देखने में कोरे पदक हैं पर इसकी नींव में लम्बा संघर्ष और दृढ़ संकल्प का मजबूत आधार छिपा है। राष्ट्रीयता की भावना एवं अपने देश के लिये कुछ अनूठा और विलक्षण करने के भाव ने ही खेलों में भारत की साख को बढ़ाया है। ओलंपिक खेलों में विजयगाथा लिखने को बेताब देश की बेटियां, एवं अन्य खिलाड़ी अभूतपूर्व सफलता का इतिहास रचने को तत्पर है, उनकी आंखों में तैर रहे भारत को अव्वल बनाने के सपने को जीत का हार पहनते देखने का यह समय नि त ही रोमांचित एवं गौरवान्वित करने वाला होगा। जाहिर है कि सही वक्त पर, सही प्रतिभा को प्रोत्साहन एवं प्राथमिकता मिल जाए तो खेलों की दुनिया में देश का नाम सोने की तरह चमकते अक्षरों में दिखेगा।

संपादकीय

जातिगत जनगणना के खतरे

भारत की संसदीय राजनीति की यह सबसे दुखद परिघटना है कि लोक सभा में बजट पर हो रही चर्चा जाति के चक्रव्यूह में फंस गई। विपक्ष के नेतागण शायद इस तथ्य से अनजान हैं कि भारतीय समाज में जाति संघर्ष बढ़ग़ तो देश की क्षेत्रीय अखंड़ता पर इसके नकारात्मक परिणाम पड़. सकते हैं। संविधान निमार्ता और चिंतक ड़ॉ. अंबेड़कर भारतीय समाज की इस बुराई को समझ गए थे। इसीलिए उन्होंने जातिविहीन समाज के निर्माण की कल्पना की थी। आगे चलकर समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने भी जाति तोड़ो को लेकर लंबा अभियान चलाया था। लेकिन विड़म्बना है कि बिहार के नेताओं के बाद अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को महाभारत में अर्जुन को जिस तरह सिर्फ मछली की आंख दिखाई दे रही थी, उसी तरह जातिगत जनगणना दिखाई दे रही है। भारतीय राजनीति और समाज का दुखद पहलू है कि आज हर जाति में वर्चस्ववादी नेता पैदा हो गए हैं। ऐसा नेता जाति स्वाभिमान हो गया है। इस तरह से क र जातिवादी नेताओं का समाज और राजनीति में प्रभाव बढ़ता है तो पहले से ही जाति और धर्म में विभाजित समाज आगे चलकर और कितना विभाजित होगा, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। ठीक है कि जाति गणना सत्ता पाने की सीढ़ी बन सकती है लेकिन इससे सामाजिक विद्वेष बढ़ेग़ा और अंततः प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा जाएगी। ड़ॉ. लोहिया का विश्वास है कि 'इतिहास साक्षी है कि जिस काल में जाति के बंधन ढ़ीले थे, उसने लगभग उसी काल में घुटने नहीं टेके।' उनका मानना है कि यह गलत धारणा है कि अंदरूनी झगड़ों और छल-कपट के कारण न तो विदेशी हमले हुए और न भारत गुलाम हुआ। इसका सबसे बड़ा और एकमात्र कारण है जाति। 1960 और 71 के दशक में ड़ॉ. लोहिया के प्रयासों से समाज में जाति के बंधन कुछ ढ़ीले पड़ऩे लगे थे। बाद में आरएसएस ने भी हिन्दू समाज की जातियों की एकता को मजबूत करने के लिए अभियान चलाया और आज भी संघ का यह प्रयास जारी है लेकिन लगता है कि जातिगत पहचान और स्वाभिमान का उभार तेजी से हो रहा है। राहुल गांधी इस उभार को और अधिक हवा देने लगे हैं। हालांकि राहुल के जातिगत जनगणना के बयान पर भाजपा नेता के इस जवाब का समर्थन नहीं किया जा सकता जिनकी अपनी जाति का पता नहीं है, वे जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं। सदन हो या सड़क जाति पूछना अमर्यादित आचरण के दायरे में ही आता है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है।जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है। इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है।उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

केरल का भूस्खलन प्राकृतिक आपदा या मानवीय दुस्साहस का परिणाम?

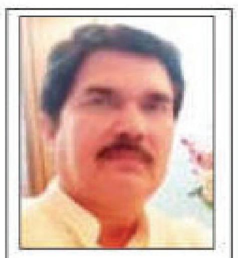

डॉ हिदायत अहमद खान

कृति से छेड़छाड़ मानव-समाज के लिए सदा ही भारी पड़ी है। इसलिए विश्व को सुखी देखने की मंशा रखने वाले हमेशा से ही यह संदेश देश और दुनिया को देते आ रहे हैं कि प्रकृति का दोहन करें, लेकिन इतना नहीं कि प्रकृति खुद संतुलन बनाने के लिए बाध्य हो जाए। ऐसे में केरल के वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन का असली जिम्मेदार कौन हो सकता है? इसे महज प्राकृतिक आपदा मानना एक और बड़ी भूल होगी? दरअसल देखना होगा कि इस प्राकृतिक आपदा होने से पहले आपदाग्रस्त इलाके में वर्षों से होता क्या आ रहा था। इस सवाल का भी जवाब तलाशा जाना चाहिए कि जहां भूस्खलन हुआ और करीब 250 से ज्यादा लोगों की असमय दर्दनाक मौत हुई क्या वहां वाकई बस्तियां बसाई जा सकतीं थीं? भू-विज्ञानियों की मानें तो यह क्षेत्र लैंडस्लाइड जोन का हिस्सा रहा है और इसमें भविष्य में और खतरे उत्पन्न होने की आशंकाएं आम थीं। बाबजूद इसके चंद चांदी के टुकड़े बटोरने और लोगों को भ्रम में रखने वालों ने मिलकर बस्तियां बसाने का जो दुस्साहस दिखाया उसका भयानक परिणाम देश और दुनियां ने देख लिया है।

जरा मस्तिष्क में जोर डालें और खुद से सवाल करें कि केरल में हुए भीषण भूस्खलन के लिए असली जिम्-?मेदार कौन हो सकता है? क्या वाकई इसे प्राकृतिक आपदा मान और सरकारी आंकड़ों के लिहाज से मौत और मुआवजा का आंकलन कर चंद लोगों की जिम्मेदारी तय कर देने से समस्या का हमेशा के लिए समाधान निकल आएगा? आप स्वयं से विचार करें और बताएं कि क्या इस भयानक प्राकृतिक आपदा को निमंत्रण देकर ढाई सौ से अधिक लोगों को कालकलवित करवाने में आज के अतिभौतिक सुख भोगने की आकांक्षा रखने वाले मानव का हाथ नहीं है? यह एकमात्र सवाल उन तमाम सवालों पर भारी पड़ जाता है, जो शासन-प्रशासन को लेकर उठाए जाते हैं और चंद दिनों में, चंद लोगों को जिम्मेदार ठहराकर लाल रंग के बस्ते में बंद कर दिए जाते हैं। इसका अलग से आंकलन और विश्लेषण इसलिए जरुरी है, क्योंकि वायनाड में जिन जगहों पर भूस्खलन हुआ है वहां मानव जनित बस्तियों का होना अपने आप में गंभीर सवाल है। यह पूरा इलाका लैंडस्लाइड जोन वाला बताया गया है, बावजूद इसके वायनाड में पिछले दो दशक से पर्यटन को बढ़ावा देने कथित खूबसूरती को और खूबसूरत बनाने और उससे पैसा बनाने के लिए जिस तरह से पहाड़ों की कटाई-छटाई करते हुए अंधाधुंध निर्माण कार्य किए गए, उसने प्रकृति को संतुलन बनाने के लिए मजबूर कर दिया। यह तय है कि जब प्रकृति संतुलन बनाती है तो बहुत बेदर्दी के साथ चक्की के दो पाटों के बीच मनुष्य और तमाम जीव-जंतु घुन की तरह पिसते चले जाते हैं। वायनाड भूस्खलन इसका बहुत ही छोटा नमूना है, जिससे न सिर्फ सबक लेने की जरुरत है बल्कि ऐसा आगे न हो अतः भौतिक सुखों से इतर प्रकृतिस्थ हो जाने का रास्ता खोजने का भी समय है।

जहां प्रकृति के विपरीत मानवजनित निर्माण कार्य किए गए और इकॉसिस्टम को बिगाड़ने जैसा काम किया गया, वहां प्राकृतिक आपदा आई है। वायनाड की भीषण त्रासदी के बाद जब मामला स्थानीय पुलिस और फायर फोर्स से सम्भाला नहीं जा सका तो सेना, वायुसेना, नौसेना, एनडीआरएफ जैसी तमाम एजेंसियों की टीमों को राहत व बचाव कार्य में लगा दिया गया। सकारात्मकता के साथ दुर्गम इलाके में मानव निर्मित पुल तैयार कर करीब 1000 लोगों को बचा भी लिया गया। गौरतलब है कि वायनाड के चूरलपारा में मंगलवार 30 जुलाई को भीषण भूस्खलन हुआ था। चूंकि भूस्खलन मध्यरात्रि करीब 2 बजे हुआ और घटना स्थल पूरी तरह से कट गया, इससे इसकी भीषणता बढ़ गई। इस दुर्घटना में सबसे ज्यादा प्रभावित चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडकाईल और पोथुकालू क्षेत्रों को शामिल किया गया हैं। इन इलाकों में रहने वाले कुछ ऐसे लोग जो इस प्राकृतिक आपदा से किसी तरह बच निकलने में सफल रहे, वो भी तबाही की भयावहता से बुरी तरह टूट गए हैं। ऐसा नहीं है कि इन्हें मदद नहीं पहुंचाई जा रही है या दिलासा देने वालों की कमी है, लेकिन जिन्होंने अपना सब-कुछ खो दिया उसे खुद को समझाना बहुत मुश्किल होता है। ऐसे लोगों को समय रहते ज्यादा से ज्यादा मदद और मानवीय सहायता दी जानी चाहिए। ताकि प्राकृतिक आपदा के दर्द को कुछ कम किया जा सके।

वैसे यह भी हकीकत के तौर पर कहा जा रहा है कि यदि शासन-प्रशासन ने केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) की 2020 में दाखिल की गईं सिफारिशों को मान लिया होता तो शायद इस आपदा से काफी कुछ लोगों को बचाया जा सकता था। सवाल वही कि इससे पहले ही क्यों नहीं जागा गया और मौत के मुंह में हजारों लोगों को बसाने का काम तभी बंद क्यों नहीं कर दिया गया? संभवतः तब इतने अधिक लोगों की निरीह जानें नहीं गई होतीं। बताया जाता है कि राज्य के राजस्व विभाग को प मी घाट के पूर्वी ढलान वाले करीब चार हजार परिवारों को फौरीतौर पर जगह खाली करने के निर्देश देने के लिए चेतावनी भरी समझाइश भी दी गई थी। चूंकि पूरा क्षेत्र ही लैंडस्?लाइड जोन में आता है, अतः यह सावधानी तो अवश्य ही ली जानी चाहिए थी, लेकिन सब कहे-सुने को नजरअंदाज करने का परिणाम देश और दुनियां के सामने है। इसे यूं ही प्राकृतिक आपदा कहकर हल्के में नहीं लिया जा सकता, बल्कि जिम्मेदारी तय कर तमाम दोषियों को कानून के दायरे में लाना भी आगामी हादसों को रोकने में एक आवश्यक कदम साबित हो सकता है।

ओलंपिकः मनु भाकर ने रच दिया इतिहास

मनोज चतुर्वेदी

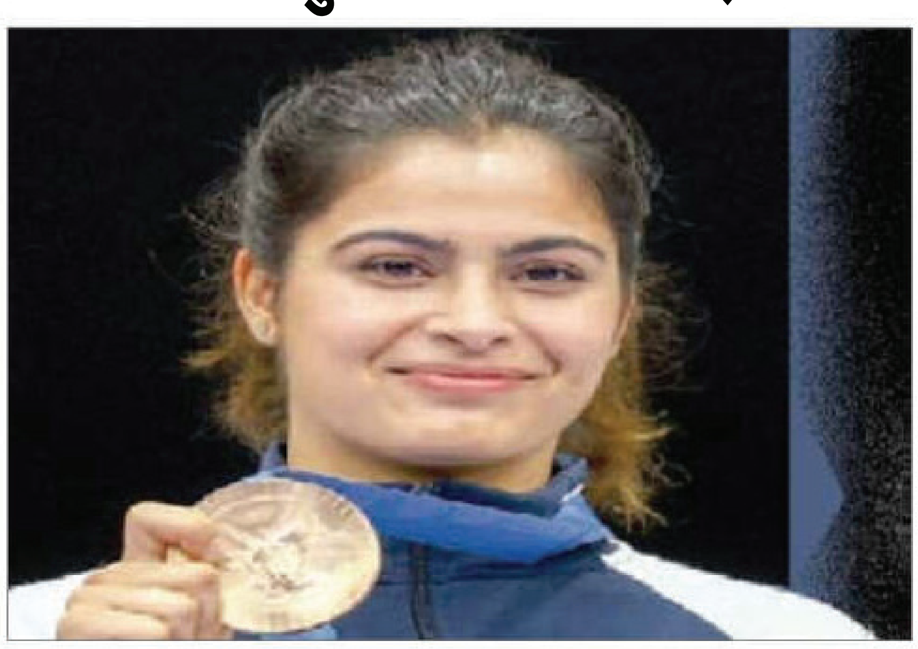

देश में खुशी का माहौल है और खुशदी लाने वाली भारतीय महिला पिस्टल शूटर मनु भाकर हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में एक के बाद एक दो कांस्य पदक जीत कर यह माहौल बनाया है। नॉर्मन प्रिचार्ड.ने इससे पहले 1900 के ओलंपिक खेलों में दो रजत पदक जीते थे पर वह ब्रिटिश इंड़ियन थे। मनु भाकर यह उपलब्धि पाने वाली स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। यह भी अजब संयोग है कि प्रिचार्ड.ने भी मनु की तरह पेरिस में ही उपलब्धि हासिल की थी। मनु के सामने अभी पदकों की हैट्रिक करने का मौका है, क्योंकि उन्हें 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भाग लेना अभी बाकी है।

मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के दौरान जो जज्बा दिखाया, उसे उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स स्पर्धा में उतरने के समय भी बरकरार रखा। भारत का ओलंपिक इतिहास बहुत सफलताओं से भरा हुआ नहीं है। हॉकी के स्वर्ण पदकों को निकाल दें तो इसमें कुछ भी नजर नहीं आता। भारत के स्वतंत्र होने के बाद करीब आधी शताब्दी में हमने व्यक्तिगत पदकों के नाम पर दो पदक ही जीते। 1952 में केड़ी जाधव ने कुश्ती में और 1996 में लिएंड़र पेस ने टेनिस में इन्हें जीता। यहां तक बात निशानेबाजी की है तो पदक जीतने की शुरूआत राज्यवर्धन सिंह राठौर ने 2004 के एथेंस ओलंपिक से की पर भारतीयों में पदक जीतने का भरोसा बनाने वाले अभिनव बिंद्रा हैं। उन्होंने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता। इसके 17 साल बाद भारत के लिए दूसरा व्यक्तिगत स्वर्ण नीरज चोपड़ा ने जेवेलिन में जीता। पहलवान सुशील और शटलर पीवी सिंधु ने लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर भारतीयों का मनोबल बढ़ाया पर मनु की पेरिस ओलंपिक में दोहरी सफलता जरूर देश में खेल क्रांति लाने में मददगार रहेगी। मनु ने जिस दिलेरी से दोनों पदकों की तरफ कदम बढ़ाए वे उनकी परिपक्वता को दशार्ते हैं। उन्होंने हर महत्त्वपूर्ण मौके पर धड़क नों को काबू में रखा और 10 से ऊपर का निशाना साधकर अपने को पदक दौड़. में बनाए रखा। मनु से 2021 के टोक्यो ओलंपिक में भी पदक की सभी को उम्मीद थी लेकिन मुकाबले के बीच में पिस्टल खराब हो जाने का खमियाजा उन्हें भुगतना पड़ा था और ओलंपिक पदक का सपना साकार नहीं कर पाई थीं।

इस झटके के बाद उनके कोच जसपाल राणा से संबंधों में भी कटुता आ गई थी और दोनों की राहें अलग हो गई थीं। लेकिन मनु के वापस लौटने पर अच्छे परिणाम नहीं निकलने पर उन्हें अहसास हुआ कि वह जसपाल राणा के साथ ही अपना बेस्ट दे सकती हैं। इस पर उन्होंने सहायता के लिए जसपाल राणा को फोन किया और वह राजी हो गए। इसका परिणाम सभी के सामने ओलंपिक पदक के रूप में है। मनु ने ओलंपिक खेलों की शुरूआत में ही पदक पर निशाना साधकर इन खेलों में भाग ले रहे शूटरों का ही नहीं बल्कि पूरे भारतीय दल की बॉड़ी लेंग्वेज बदल दी है। इससे अन्य खिलाड़िय़ों को अपना बेस्ट देने की प्रेरणा मिलेगी, जिससे भारत अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल हो सकता है। मनु की सफलता का ही प्रभाव था कि रमिता झिंदल ने 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में स्थान बनाया। हालांकि वह फाइनल में पहुंचकर भी पदक नहीं पा सकीं और उन्हें सातवें स्थान से ही संतोष करना पड़ा। अर्जन बबूता तो पुरुोषों की 10 मीटर एयर राइफल में अंतिम क्षणों की गलती की वजह से कांस्य पदक से चूक गए। अर्जुन को पदक दौड़.में बने रहने के लिए आखिरी निशाना 10.3 अंक का लगाना था पर यह 9.5 का रहने से उन्हें चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। पैड़लर मणिका बत्रा टेबल टेनिस के प्री क्वार्टर फाइनल में स्थान बनाने वाली पहली भारतीय बन गई। सात्विक और चिराग की जोड़ी के साथ पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन भी पदक दौड़. में बने हुए हैं। भारतीय हॉकी टीम भी लगातार दूसरे ओलंपिक में पोड़ियम पर चढ़ऩे की दौड़. में बनी हुई है।

मनु भाकर को व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत नहीं पाने का अफसोस रहा पर उन्हें ओलंपिक में दो पदक जीतने की खुशी भी है। उनके पास अभी 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक का रंग बदलने का मौका है। वह अपना ध्यान केंद्रित रखने के लिए गीता का पाठ करती हैं, जिसमें कहा गया है कि खुद के कर्म पर भरोसा रखो। जो बीत गया है, उसकी चिंता में डूब़ने के बजाय लक्ष्य पर भरोसा रखो। यह बात भारतीय दल के सभी सदस्यों पर लागू होती है। भारत इस समय निशानेबाजी के अलावा बैड़मिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी, बॉक्सिंग आदि में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और एथलेटिक्स और कुश्ती शुरू होने पर भारत की पदक संभावनाएं और बढ़ेंगी। बहुत संभव है कि हम इस बार दर्जन भर पदकों तक पहुंच जाएं। पर हमें यहीं संतुष्ट होकर नहीं बैठना चाहिए क्योंकि अभी हम आबादी के हिसाब से विश्व स्तर से काफी पीछे हैं।

राजसमंद विधायक माहेश्वरी सहित अन्य को समन जारी: दो जगह से वोटर कार्ड बनवाने का मामला

द पुलिस पोस्ट

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजसमंद विधायक दिप्ती माहेश्वरी सहित अन्य सभी प्रतिवादियों को समन जारी किया है। हाईकोर्ट ने सभी को 20 सितंबर तक जवाब तलब करने का आदेश दिया है। दरअसल, दिप्ती माहेश्वरी के उदयपुर व राजसमंद के वोटर कार्ड पर आपत्ति दर्ज करते हुए याचिका पेश की गई थी। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस विनीत कुमार माथुर की एकलपीठ में नोटिस जारी किया गया।

अलग-अलग वोटर कार्ड किए पेश

याचिकाकर्ता अधिवक्ता जितेन्द्र कुमार खटीक ने एक चुनाव याचिका पेश की थी, जिसमें बताया कि राजसमंद में विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान आरओ के समक्ष आपत्तियां उठाने के बावजूद चुनाव शून्य घोषित नहीं किया गया।

याचिका में आरोप लगाया कि राजसमंद विधायक दिप्ती माहेश्वरी ने विधानसभा चुनाव 2023 में नामांकन के साथ राजसमंद का वोटर कार्ड पेश किया। उससे पहले जब राजसमंद में उप चुनाव हुए थे, तब दिप्ती माहेश्वरी की ओर से उदयपुर का वोटर कार्ड नामांकन के साथ पेश किया गया था। एक व्यक्ति की ओर से दो-दो वोटर कार्ड कैसे बनवाए जा सकते है।

याचिकाकर्ता का आरोप- अपने प्रभाव का किया उपयोग

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए उप चुनाव में उदयपुर का वोटर कार्ड और आम चुनाव में राजसमंद का वोटर कार्ड पेश किया गया है। जो कि अपराध की श्रेणी में आता है और चुनाव को भी शून्य घोषित किया जाना चाहिए लेकिन चुनाव अधिकारी ने उसकी आपत्तियों को नही सुना। ऐसे में हाईकोर्ट में याचिका पेश की गई है। जिस पर सुनवाई के बाद राजसमंद विधायक सहित अन्य को समन जारी किया गया।

इनको जारी हुआ समन

दीप्ति माहेश्वरी, नारायण सिंह भाटी, घनश्याम मुरेदिया, मनिष पांडे, दिनेश कुमार, विनोद सोनवाल, मनोज कुमावत, जिला चुनाव अधिकारी राजसमंद, रिटर्निंग अधिकारी, उपमंडल अधिकारी, एडवोकेट हनुमान सिंह, श्रवण चौधरी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, आयुक्त व वी मार्ट माल।

नियमों के अनुसार

एक्सपर्ट के अनुसार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत नामांकन के समय गलत जानकारी देने पर नामांकन रद्द हो सकता है। और चुनाव शुन्य होने पर विधायकी हट सकती है। कोर्ट अगर इसमें विधायक को दोषी मानती है तो नामांकन रद्द हो सकता है। जनप्रतिनिधी अधिनियम 1951 की धारा 86 की उपधारा 6 में दिए गए प्रावधान के तहत चुनाव याचिका दायर होने के 6 माह के भीतर निर्णित होगी। ऐसे में इस याचिका को दायर हुए 6 माह हो जाने से अब सुनवाई जल्दी हो सकती है।

परिचय पत्र के रुम में कर सकते है उपयोग

अतिरिक्त महाअधिवक्ता राजस्थान हाईकोर्ट नाथु सिंह राठौड़ के अनुसार वोटर आई डी को आई डी के रुप में उपयोग किया जा सकता है लेकिन दो जगह वोट का यूज नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि पुराना वोटर आईडी अगर बना है तो वहां की वोटर लिस्ट से नाम हटा कर नए वोटर आईडी वाले स्थान में जोड़ा जाता है ऐसे में वोटर एक जगह ही वोट दे सकता है। पुराने वोटर आईडी को पहचान पत्र के रुप में काम लिया जा सकता है।

स्कूल के अंदर 2 छात्रों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

दो बच्चों में कहासुनी के बाद एक के परिजनों ने किया हमला; सीसीटीवी में वारदात कैद

द पुलिस पोस्ट

भरतपुर। भरतपुर के सेवर थाना इलाके की एक प्राइवेट स्कूल में मारपीट का वीडियो सामने आया है। यह घटना बुधवार की है। स्कूल के अंदर कुछ लोगों ने 2 छात्रों को दौड़ा दौड़ा कर पीटा। इसके बाद दोनों छात्रों के परिजन स्कूल पर इकट्ठे हो गए और पिटाई करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करने लगे। मारपीट की यह घटना स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना सेवर थाना इलाके में अनुपम बाल उच्च माध्यमिक विद्यालय मलाह की है। स्कूल में पढ़ने वाले 11वीं के 2 छात्रों ने बताया कि बुधवार को सुबह करीब 8 बजे स्कूल में प्रार्थना के दौरान एक छात्र की 9वीं क्लास के एक स्टूडेंट से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद 9वीं क्लास के स्टूडेंट ने अपने परिजनों को स्कूल में बुला लिया। करीब 11 बजे उसके परिजनों ने आते ही स्कूल में घुसकर दूसरे छात्र के साथ मारपीट कर दी। इस दौरान पास बैठे एक अन्य छात्र की भी पिटाई करने लगे।

सूचना के बाद पुलिस पहुंची स्कूल

यह पूरी घटना स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बाद में स्कूल के टीचरों ने दोनों छात्रों को बचाया। जैसे ही दोनों छात्रों के परिजनों को घटना के बारे में पता लगा तो, वे स्कूल पहुंच गए और हंगामा कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस भी स्कूल में पहुंची।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

सेवर थाना अधिकारी अनिल जसोरिया का कहना है कि मलाह गांव के स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों में आपस में झगड़ा हो गया था। जिसमें से एक बच्चा स्कूल में अपने परिजनों को बुला लाया। उन्होंने स्कूल के अंदर 2 छात्रों से मारपीट कर दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित बच्चों के परिजनों ने शिकायत दे दी है। जिसको लेकर जांच की जा रही है।

उदयपुर शहर में दुर्गानर्सरी चौराहा से धंसी सड़क:रोड से गुजर रहे लोग डरे

द पुलिस पोस्ट

उदयपुर। उदयपुर शहर के आयड़ पुलिया और दुर्गानर्सरी चौराहा के पास बुधवार रात पुराने नाले पर बनी सड़क धंस गई। इससे भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने ट्रैफिक को एक तरफा कर सड़क धंसने वाले मार्ग को बंद किया। आयड़ पुलिया के आगे आइनॉक्स सिनेमा और सुखाड़िया समाधि से पहले रात करीब आठ बजे बाद एकाएक सड़क धंस गई। इस समय दूसरी रोड से गुजर रहे और इस सड़क पर आने वाले लोग घबरा गए। मौके की स्थिति के अनुसार एक तरफ सड़क करीब 100 फीट लंबी और करीब 10 फीट चौड़ा डामर का भाग करीब 4 फीट नीचे जाकर धंस गया। तैनात यातायात पुलिसकर्मियों ने इस मार्ग को बंद कर नगर निगम को सूचित किया। इसके बाद नगर निगम के सहायक अभियंता

प्रवीण बसंल मौके पर पहुंचे और सुरक्षा की दृष्टि से वहां पर गार्ड भी लगाए। इंजीनियरों का कहना है कि जहां पर सड़क धंसी, वहां पर नीचे नाले के जरिए शक्तिनगर और पुराने शहर का सीवरेज जाता है। उल्लेखनीय है कि यह मार्ग बहुत व्यस्त रहता है। यहां पर दिन में और खास तौर पर सुबह साढ़े तक और शाम 5 से 6.30 बजे बाद जाम की स्थिति रहती है। रात में यहां यातायात कम होने से हादसा होते टल गया। निगम ने पिछले दिनों ही इसे चौड़ा करने के लिए सुखाड़िया समाधि की दीवार को पीछे किया था और यह कार्य अभी जारी है। इसी रोड पर आगे अशोक नगर इलाके में भी पिछले साल जैन मंदिर के पास एकाएक नाला धंस गया था। वह घटना सवेरे की थी जबकि दिन में वहां लोगों की दुकानों पर आवाजाही रहती है। उस समय मंदिर लोगों की कार वहां खड़ी तो नाले के साथ अंदर धंस गई थी।

लोगों ने फोटो शेयर कर निकाला गुस्सा

रात की आयड़ पुलिया के पास सड़क धंसने को लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर गुस्सा निकाला। व्हाट्सऐप के कई ग्रुपों में लोगों ने धंसी सड़क का फोटो शेयर करते हुए कहा कि निकायों के विकास कार्य की पोल खोल दी। इधर, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव सिद्धार्थ सोनी ने यहां धंसी सड़क पर रात को जाकर नगर निगम व प्रदेश में सत्तारूढ पार्टी का झंडा लगाकर विरोध जताया।

जींद में इलाज के दौरान कावड़िए की मौत:कैथल में ट्रक ने मारी थी टक्कर; राजस्थान का निवासी है मृतक

द पुलिस पोस्ट

जींद। जीन्द में इलाज के दौरान कांवड़िए की मौत हो गई। उसे कैथल जिले में सुबह ट्रक ने टक्कर मार दी थी। घटना की सूचना पाकर कलायत पुलिस अस्पताल पहुंची और मृतक कावडिए का पोस्टमॉर्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया। हादसा कैथल जिले के चंदाना गांव के पास वीरवार में हुआ। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के चाहूवाली गांव निवासी महेंद्र (52) समेत उसके डेढ दर्जन साथी हरिद्वार से डाक कावड लेकर अपने गांव लौट रहे थे। जब वे कैथल के गांव चंदाना के पास से वीरवार सुबह गुजर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने डाक कावड लेकर चल रहे महेद्र को टक्कर मार दी।

गम्भीर हालात होने पर जीन्द रेफर

इसमें महेद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। महेद्र को पहले उसके साथी नरवाना नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से उसकी गम्भीर हालात देख उसे जिला मुख्यालय जीन्द के सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया। यहां उपचार के दौरान महेंद्र ने दम तोड़ दिया। मृतक के साथी वकील कुमार ने बताया कि उन्होंने 29 जुलाई को हरिद्वार से डाक कावड उठाई थी। उनकी टोली मे महेद समेत 17 शिव भक्त थे। गांव चदाना के निकट महेद्र को कांवड़ थमाई गई थी। कुछ दूरी पर

चलने के बाद पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसको टक्कर मार दी। इसमें महेद्र काफी दूर सड़क पर जा गिरा। मृतक अपने पीछे एक लडका तथा लडकी व पत्नी छोड़ गया है।

स्वस्थ्य होकर गई, रिपोर्ट बाद में पोजेटिव आई

एम्स में भर्ती 7 वर्षीय बालिका चांदीपुर वायरस पोजेटिव:नाथद्वारा से आई थी इलाज के लिए

द पुलिस पोस्ट

जोधपुर। नाथद्वारा से इलाज के लिए जोधपुर एम्स आई 7 वर्षीय बालिका चांदीपुर वायरस पोजेटिव पाई गई। हालांकि बालिका स्वस्थ्य होकर जोधपुर एम्स से नाथद्वारा चली गई उसके बाद पुणे लेब से रिपोर्ट आई जिसमें बच्ची चांदीपुर वायरस पोजेटिव पाई गई है। डिप्टी सीएमएचओ महेन्द्र कच्छवाह ने बताया कि एम्स से हमारे यहा आज रिपोर्ट आई है। जिसमें बच्ची को

चांदीपुर वायरस पोजेटिव बताया गया है। हालांकि बच्ची स्वस्थ्य होकर अपने घर चली गई है। एम्स पीआरओ डॉक्टर एलिसा मित्तल ने बताया कि 21 जुलाई को बच्ची इलाज के लिए एम्स में भर्ती हुई थी। इस दौरान इसका टेस्ट करवाया गया। और सैंपल पूणे लेब भेजा गया। 30 को बच्ची स्वस्थय होकर घर चली गई है। आज उसकी रिपोर्ट में वह पोजेटिव पाई गई जिसकी जानकारी सीएमएचओ कार्यालय भेज दी गई है। बच्ची 10 दिन तक एम्स में एडमिट थी।

सेना अग्निवीर भर्ती रैली : 6 जिलों के युवाओं के लिए अग्निवीर भर्ती 19 से भरतपुर के लोहागढ़ स्टेडियम में होगी

डीग। एसपी ने कहा कि अभ्यर्थियों के जिले में प्रवेश से लेकर भर्ती रैली से वापिस जाने तक सुरक्षा एवं आवागमन की पुख्ता व्यवस्था की जाए। भर्ती स्थल लोहागढ़ स्टेडियम में सेना भर्ती कार्यालय से समन्वय कर बेरिकेडिंग, अलग-अलग ब्लॉक निर्माण एवं लाइटिंग व्यवस्था होगी। 19 अगस्तको रक्षाबंधन के मद्देनजर अभ्यर्थियों के लिएपर्याप्त ट्रांसपोर्ट व्यवस्था की जाए। लिखित परीक्षाके सफल अभ्यर्थियों के लिएप्रवेश पत्र 19 जुलाई को ऑनलाइन जारी कर दिए गए हैं

रात 12 बजे से स्टेडियम में प्रवेश, बारकोड की जांच के बाद सुबह 3 बजे दौड़

सेना भर्ती कार्यालय अलवर के निदेशक कर्नलआलोक रंजन ने बताया कि भर्ती में जनरल ड्यूटी से लेकर विभिन्न ट्रेड में अभ्यर्थी भाग लेंगे। भर्ती के लिए प्रतिदिन अलग-अलग तहसीलवार अभ्यर्थियों को कॉल किया गया है। रात 12 बजे से

लोहागढ़ स्टेडियम में अभ्यर्थियों को प्रवेश मिलेगा।बारकोडिंग की जांच के बाद सुबह 3 बजे से दौड़ एवं अन्य शारीरिक दक्षताओं की जांच के लिए अनुमत किया जाएगा। शारिरिक दक्षता में पास होने पर पेपर के लिए बुलाया जाएगा।

जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने कहा कि सेना अग्निवीर भर्ती रैली का जिला मुख्यालय स्थित लोहागढ़ स्टेडियम में 19 से 26 अगस्त होगी, जिसमें भरतपुर, डीग, धौलपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा,कोटपूतली- बहरोड़ जिलों के युवाभाग लेंगे।

जिला कलेक्टर डॉ.यादव ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सेना भर्तीरैली की तैयारियों को लेकर बैठकमें समीक्षा की। कलेक्टर ने कहाकि सेना भर्ती रैली में 6 जिलों से अभ्यर्थियों के लिए आवागमन,आवास, भोजन आदि कीव्यवस्था करें। एम्बुलेंस, डॉक्टर,ई-मित्र, शामियाना, कूलर-पंखे,लाइटिंग, हाई मास्ट लाइट, कचराप्रबंधन के लिए डस्टबिन,इंटरनेट, पेयजल, शौचालय, भर्तीस्थल तक मार्गदर्शक पट्टिका कीव्यवस्था करें। उन्होंने कहा किभर्ती स्थल में सीसीटीवी सेनिगरानी रखी जाएगी।

नगर निगम नियमित सफाई के लिए विशेष टीम तैनात करें। दस्तावेजों की जांच के लिए शिक्षक नियुक्त करने तथा दौड़ के लिए ट्रैक निर्माण में खेल अधिकारी सहयोग करेंगे। आवागमन के लिए रोडवेज पर्याप्त बसों की व्यवस्था रखें। ठहरने के लिए जसवंत प्रदर्शनी मैदान में लगाए जाने वाले रैनबसेरों में व्यवस्था करें।

कोटा में 20 कोच की वंदे भारत का ट्रॉयल

160 किमी की रफ्तार से दौड़ी, यात्रियों के वजन के बराबर भार रखकर की टेस्टिंग

कोटा। कोटा मंडल में इन दिनों वंदे भारत रैक का ट्रॉयल (परीक्षण) किया जा रहा है। आज 20 रैक का ट्रॉयल लाखेरी से गुड़ला के बीच तीन बार किया गया। ट्रॉयल के दौरान वंदे भारत को दिल्ली-मुंबई अप लाइन पर गुडला से लाखेरी के बीच 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया गया। 160 किमी रफ्तार पर कपलर फोर्स मापा गया। कपलर और पहियों में लगे कई सेंसर से डाटा इकठ्ठा किया गया। इस रैक का ट्रायल आरडीएसओ के संयुक्त निर्देशक (परीक्षण) एस के यादव के निर्देशन में किया जा रहा है।

कोटा के ट्रैफिक निरीक्षक अरविंद पाठक व लोको निरीक्षक नाहर सिंह ने लखनऊ टीम के साथ को-आर्डिनेट किया। बता दें इससे पहले कोटा मंडल में 18 कोच की वंदे भारत रैक का 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सफल ट्रायल किया गया था। अब इस रैक में दो कोच बढ़ाए गए है।

4 अगस्त तक चलेगा ट्रायल

आपातकालीन ब्रेकिंग सिस्टम और कपलर सिस्टम में कुछ बदलाव किया गया है। इस कारण फिर से यह ट्रायल ब्रेकिंग सिस्टम बिहेवियर के विभिन्न तकनीकी मानकों के विश्लेषण के लिए किया जा रहा है। यह ट्रॉयल 4 अगस्त तक चलना है।

ट्रायल में विशेष रूप से 160 किमी से अधिक की रफ्तार पर रैक के दो कोचों को जोड़ने वाले कपलर पर लगने वाले बल का विश्लेषण के लिए किया गया, जिसमें सभी कोचों में यात्रियों के वजन के बराबर भार रखा गया। बुधवार को लाखेरी-कोटा के बीच आपातकालीन ब्रेकिंग के डाटा विश्लेषण के लिए ट्रायल किया जाएगा।

रेल कर्मियों ने मंडल सचिव को लिखित ज्ञापन दिया

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ की संकल्प यात्रा पहुंची बयाना, कर्मचारियों की समस्याओं पर किया मंथन

बयाना। रेल कर्मियों ने मंडल सचिव को लिखित ज्ञापन दिया इसके लिए वेस्ट सेंट्रल यूनियन लगातार संघर्ष करेगा। रेल कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को लिए मंडल सचिव को लिखित में ज्ञापन दिया जिसमें कर्मचारियों की लंबित मांगों काभी जिक्र किया गया है। इस परमंडल सचिव ने सभी कर्मचारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जल्दी ही उनकी समस्याओं का मंडल और मुख्यालय स्तर पर समाधान कराया जाएगा। इससे पहले रेलकर्मियों की ओर से प्लेटफार्म पर मंडल सचिव और अन्य पदाधिकारियों का साफा माला पहनाकर अभिनंदन किया।

रेल कर्मियों के हितों पर कुठाराघात बर्दाश्त नहीं होगा: खालिक

रेल कर्मियों की विभिन्न मांगों को लेकर वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ की ओर से पूरे कोटा मंडल में निकाली जा रही संकल्प यात्रा बयाना पहुंची। बयाना में संघ के कार्यालय पर रेल कर्मियों की बैठक हुई। जिसमें वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के कोटा मंडल के सचिव अब्दुल खालिक,कोषाध्यक्ष डीके शर्मा, सीडब्ल्यूसीसदस्य पतराम गुर्जर अतिथियों के रूप में मौजूद रहे। बैठक में मंडलसचिव अब्दुल खालिक ने रेलकर्मियों को संबोधित करते हुए कहाकि नई पेंशन स्कीम को हटाकर पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करवाना उनकी पहली प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि पॉइंटस मैन कैटेगरी के लिए जल्दी ही रिस्क अलाउंस की घोषणा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग विभाग की समस्याओं को लेकर जल्द ही संगठन का प्रतिनिधिमंडल रेलवे के उच्च अधिकारियों से मिलेगा औरउनका समाधान कराएगा। उन्होंने कहा कि रेल कर्मियों के हितों पर कुठाराघात बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान मजदूर संघ के बयाना शाखा अध्यक्ष, एसके मीणा, शाखा सचिव कशिश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष रामबाबू गुर्जर, कोषा ध्यक्ष राधा कृष्ण राय, श्रवण कुमार,संगठन सचिव सोमेन्द्र मीणा, उपाध्यक्ष दीपक गुर्जर, सहायक सचिवकुंवर सिंह, दौलत राम, विजय सिंह, यूथ सेक्रेटरी हंसराम गुर्जर आदि कई कर्मचारी और पदाधिकारी मौजूद रहे।

सड़क से साढ़े 19 फीट ऊपर होगा मंदिर

बनने में लगेंगे चार साल, नया मंदिर पुराने से 20 फीट अधिक चौड़ा होगा

बीकानेर। बीकानेर श्रीडूंगरगढ़ तहसील के पूनरासर गांव में करीब 25 साल से अटका पूनरासर हनुमान मंदिर का अब निर्माण होगा। मंदिर के नवनिर्माण और पुनरूद्धार कार्य की नींव पूजा 16 सितंबर को होगा। नींव पूजन के बाद जल्द की मंदिर का निर्माण शुरू हो जाएगा। मंदिर के निर्माण पर करीब 42 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मंदिर का निर्माण पूरा होने में करीब तीन से चार साल तक का समय लगेगा।

नया मंदिर सड़क से 19.5 फीट ऊंचा होगा। अभी मंदिर सड़क से 14 फीट ऊंचा है। वहीं मंदिर का शिखर करीब 46 फीट ऊपर होगा। 100 गुना 125 फीट की एरिया में मंदिर बनाया जाएगा। जो वर्तमान मंदिर से लंबाई और चौड़ाई में 20-20 फीट बड़ा है। पूनरासर मंदिर पुजारी ट्रस्ट के मंत्री महावीर बोथरा ने बताया कि पूनरासर मंदिर का निर्माण पाली का सोमपुरा परिवार करेगा।

सफेद मार्बल से बनने वाले इस मंदिर के निर्माण की तैयारियां शुरू कर दी गई है। सभी के सहयोग से बनने वाले इस मंदिर का गर्भगृह करीब 20 फीट का होगा, जिससे यहां मेले के समय दर्शनार्थियों को ज्यादा परेशानी नहीं उठानी पड़े। ?नया मंदिर बनने तक पूनरासर हनुमान की प्रतिमा वहीं रहेगी। उसके साथ किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। विदित रहे कि विक्रम संवत 1794 में जयरामदास बोथरा ने सबसे पहले हनुमानजी की पूजा की थी। बीकानेर के तेलीवाड़ा का बागड़ी परिवार भी करेगा मंदिर में सहयोग पूनरासर हनुमान के मंदिर के निर्माण में बीकानेर के तेलीवाड़ा स्थित बागड़ी परिवार भी सहयोग करेगा। पुजारी ट्रस्ट के मंत्री महावीर बोथरा ने बताया कि बागड़ी परिवार ने पूर्व में भी पूनरासर हनुमान मंदिर के निज मंदिर के निर्माण में भी सहयोग किया था।

इस बार भी मंदिर निर्माण कार्य में सहयोग करेगा। मंदिर के निर्माण में 42 करोड़ रूपए लगेगा। इसमें बागड़ी परिवार भी सहयोग करेगा। पूनरासर मेला 10 सितंबर को, मेले के बाद होगा शिलान्यास इस साल पूनरासर मेला 10 सितंबर को भरेगा। भादवे में लगने वाला मेला ऋषि पंचमी यानी 8 सितंबर से शुरू होगा। इस मेले में बीकानेर और आसपास के क्षेत्रों से लाखों लोग बाबे के दर्शन करने पहुंचते हैं। इसमें से अधिकतर लोग पैदल की बाबे के द्वार पहुंचते हैं। रास्ते में जगह-जगह पर कई संस्थाओं की ओर से सेवाएं लगाई जाती है। भादवे के बाद शरद पूर्णिमा पर भी मेला भरेगा। पुजारी पंडित नहीं बनिया परिवार है पूनरासर हनुमान मंदिर ऐसा मंदिर है जहां पुजारी पंड़ित नहीं बल्कि बनिया परिवार है। इस मंदिर की सारी व्यवस्थाएं ओसवाल बोथरा परिवार संभालता है। करीब 306 साल पुराने यह मंदिर सालासर बालाजी से भी 32 साल पुराना है। मंदिर में मेलों के दौरान बाबे को तीन किलो सोने की अंगी का श्रृंगार किया जाता है। इस मंदिर में बाबा हनुमान के दर्शन के लिए आने वाले भक्त मंदिर परिसर में ही चूरमा बनाकर बाबे को प्रसाद चढ़ाते हैं। चूरमा बनाने के लिए आटा, घी और शक्कर की सामग्री भी मंदिर के पुजारी परिवार की ओर से निशुल्क दी जाती है। इसके अलावा मंदिर में लड्डू, पतासा, पेड़े और नारियल का प्रसाद का भी भोग चढ़ाया जाता है।

कोटा में मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतरे

लोडिंग गाड़ी दिल्ली की ओर जानी थी, यार्ड में 5 नम्बर लाइन पर डिरेल हुई

कोटा। कोटा रेल मंडल में गुड़ला स्टेशन के पास यार्ड में मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। सूचना पर रेल महकमे में हड़कंप मच गया। कोटा से आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। ट्रेन के डिब्बे को अलग करके कोटा जंक्शन के लिए रवाना किया गया। ट्रेन को ट्रैक पर लाने का काम शुरू किया गया। गनीमत रही कोई हादसा नहीं हुआ। इधर घटना का पता लगने पर केशवरायपाटन थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची।

बताया जा रहा है कि गाड़ी पूरी लोडिंग थी। उसे दिल्ली जाना था। फिलहाल हादसे के कारण सामने नहीं आए हैं। रेलवे प्रशासन ने जांच के निर्देश दिए हैं। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार घटना शाम 5 बजकर 15 मिनट के आसपास की है। यार्ड में साइड वाली 5 नम्बर लाइन पर मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से नीचे उतर गए। फिलहाल कारण सामने नहीं आए हैं। सेफ्टी अधिकारी ने जांच के लिए कमेटी बनाई है। मालगाड़ी कोटा से दिल्ली की तरफ डाउन लाइन में जानी थी। अधिकारियों ने ट्रेन डिरेल होने से यातायात प्रभावित होने से इनकार किया है।

वन भूमि पर स्थापित की डॉ.अंबेडकर की प्रतिमा

विवाद की स्थिति बनी, ग्रामीण अड़े; प्रशासन ने की समझाइश

बयाना। बयाना उपखंड के डांग क्षेत्र के थाना गढ़ी बाजना के अंतर्गत गांव कोली नगला में ग्रामीणों ने वन विभाग की जमीन में डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी। सरकारी जमीन पर प्रतिमा स्थापित करने से विवाद खड़ा हो गया। सूचना पर एएसपी बृजेन्द्र सिंह भाटी, सीओ अमरसिंह मीना, एसडीएम राजीव शर्मा, तहसीलदार विनोद कुमार मीणा, बीडीओ नरेंद्र सिंह, थाना प्रभारी हीरालाल मीणा शाम मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से प्रतिमा स्थापित करने के लिए उच्च अधिकारियों से अनुमति लाने की बात कही। लेकिन ग्रामीण सरकारी जमीन में ही प्रतिमा स्थापित करने की मांग पर पड़ गए हैं। इससे मौके पर विवाद की स्थिति बन गई है। यह भूखंड सरकारी संपत्ति बताई है। लोगों का कहना है कि इस भूमि पर कुछ तथाकथित दबंगों ने कच्चे पक्के अवैध निर्माण कर अतिक्रमण भी कर लिए हैं और काफी समय से अवैध खनन भी कर रहे हैं।

कोटा में दिन दहाड़े युवक का किडनैप

कार में बैठाकर ले गए, सड़क पर बाइक-मोबाइल मिले, कुछ देर बाद छोड़ा

कोटा। कोटा में युवक के अपहरण का मामला सामने आया है। अपहरण की सूचना से शहर में सनसनी फैल गई। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। मौके पर बाइक व मोबाइल पड़ा मिला। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। पूछताछ में कुछ युवकों द्वारा युवक को गाड़ी में बैठाकर ले जाने की बात सामने आई। हालांकि कुछ देर बाद कार सवार युवक, बाइक सवार युवक को बूंदी रोड़ पर छोड़कर फरार हो गए। घटना श्रीनाथपुरम स्टेडियम के आसपास की है। प्रारम्भिक तौर पर आपसी झगड़े में अपहरण की बात सामने आई है।

डीएसपी मनीष शर्मा ने बताया की शाम 7 बजे करीब सूचना मिली थी। श्रीनाथपुरम स्टेडियम के पास सड़क पर एक बाइक व मोबाइल पड़ा हुआ था। जिसपर टीम मौके पर पहुंची। लोगों ने बताया कि कुछ युवक बाइक सवार युवक से मारपीट कर जबरन अपने साथ ले गए। सूचना पर इलाके में नाकाबंदी करवाई। आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किए। युवक संजय (30) रोझड़ी नयागांव इलाके का रहने वाला है। शुरुआती जानकारी में सामने आया कि कार सवार युवक संजय के

जानकार हैं। आपसी झगड़े में कार सवार युवक संजय को अपने साथ ले गए और 15-20 मिनट बाद बूंदी रोड़ पर ले जाकर छोड़ दिया। कार सवार कितने लोग थे इस बारे में संजय के थाने आने के बाद ही पता लगेगा। फिलहाल जांच की जा रही है।

सरकार का शिक्षा को घर-घर पहुंचाने के लिए प्रयास

खेरिया लोधा के स्कूल में चार कमरे, फिर भी पेड़ों के नीचे पढ़ाई कर रहे 77 विद्यार्थी

चौथा क्षतिग्रस्त कमरा

रूपवास। सरकार शिक्षा को घर-घर पहुंचाने के लिए प्रयास कर रही है।, लेकिन संसाधनों के अभाव में नामांकन बढ़ने की बजाय घट रहा है। ऐसा ही रूपवास की ग्राम पंचायत नया खेरिया लोधा गांव का प्राथमिक स्कूल है, जहां 2 साल में 33 बच्चे कम हो गए हैं। जिसमें क्लासें पेड़ों के नीचे लग रही हैं। कहने को तो स्कूल में चार कमरे हैं। एक कमरे में आंगनबाड़ी है, दूसरे कमरे मिड डे मील व सामान रखने के लिए है।

तीसरा कमरा क्षतिग्रस्त हालत में है, जिसकी छत से बारिश में पानी टपकता है। इस कमरे में स्कूल के अनुपयोगी समान को पटक दिया है। चौथे कमरे मेंऑ फिस है। ग्रामीण स्कूल के बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश दिला रहे है। स्कूल के प्रधानाध्यापक इंद्रजीत शर्मा ने बताया कि स्कूल में बिजली का कनेक्शन तो है, लेकिन करीब 2 साल से ट्रांसफार्मर खराब है। गांव के खेरिया लोधा के प्राथमिक स्कूल में 2022 में कुल नामांकन 110 था, 2023 में 89 बच्चे रह गए। अब 2024 कुल नामांकन 77 ही रह गए। हर वर्ष नामांकन का ग्राफ घटता जा रहा है। इधर, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मानसिंह ने बताया कि 2 दिन पहले ही ज्वाइन किया है। जांच कराकर तथ्यात्मक रिपोर्ट उच्च अधिकारियों भेजी जाएगी और जल्द से जल्द कक्षाओं का निर्माण कराया जाएगा।

वाल्मीकि समाज और सफाई कर्मचारी आंदोलन पर : सड़कों की सफाई बंद, घरों में है 800 टन कचरा, नहीं टूटी हड़ताल तो बढ़ेगी समस्या

बीकानेर। सफाई कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने की मांग को लेकर कई दिनों से वाल्मीकि समाज और सफाई कर्मचारी आंदोलन पर हैं। कर्मचारियों ने सफाई का काम, बंद कर दिया है। इससे पूरा शहर कचरे के ढेर में तब्दील हो गया है। जगह-जगह कचरा सड़ रहा है। मक्खी-मच्छर पनर पहे। ऊपर से बारिश का सीजन तो मौसमी बीमारियों का खतरा है। फिर भी लोग वाल्मीकि समाज के साथ हैं। दो दिन से टिपर और ट्रैक्टर को जबरदस्ती कचरा उठाने से रोका जा रहा है। इससे घरों में ही करीब 800 टन कचरा जमा हो गया।

दरअसल पिछली सरकार ने सफाई कर्मचारियों की भर्ती निकाली थी। उसी समय आवेदन जमा हो गए थे। पिछली ही सरकार ने पद भी बढ़ा दिए। नई सरकार आई तो भर्ती का दबाव बना। आवेदन पहले से जमा थे इसलिए आंदोलन शुरू कर दिया। एक दिन सभी ने सामूहिक अवकाश लिया। एक दिन सामूहिक कार्य बहिष्कार किया। यानी डयूटी पर तो

आए पर सफाई नहीं की। सोमवार को भी यही सिस्टम रहा।

दिक्कत आरक्षण नियमों की है : वाल्मीकि समाज की मांग मानने में संवैधानिक समस्या है। कोई भी सरकारी भर्ती होगी उसमें संविधान के अनुसार सभी वर्गों का आरक्षण तय है। कानून के जानकार कहते हैं कि आरक्षण प्रक्रिया को तोड़ना सरकार के भी अधिकार क्षेत्र में नहीं। अगर कोई छूट दी तो उसे न्यायालय में चुनौती मिलेगी। इससे पूरी भर्ती प्रक्रिया ही अटक जाएगी। अब सरकार के सामने संकट है कि आंदोलन कैसे खत्म हो।

1000 पदों में सिर्फ 210 पद आरक्षित वाल्मीकि समाज का तर्क है कि नालों में उतरकर सफाई करनी हो या सीवरेज में। शहर की पूरी गंदगी हमारा ही समाज उठाता है। ऐसे में क्यों नहीं इस भर्ती में उन्हें ही तवज्जो दी जाए। बीकानेर में 1000 पदों पर होने वाली भर्ती में एससी वर्ग के लिए 210 पद आरक्षित हैं। 790 पद दूसरे वर्गों के लिए हैं। पर दूसरे वर्ग सफाई का काम करते नहीं। आरक्षितों में भी मेघवाल, नायक समेत तमाम जातियां हैं जो हमारे ही वर्ग से कुछ पैसे देकर उसने सफाई कराते हैं।

लगातार कई दिनों से सफाई ना होने के कारण अब शहर सड़ने लगा। बाजारों में कूड़े का ढेर लगा है। सब्जी मंडियों में मक्खियां भिनभिनाने लगीं। गलियों में जगह-जगह कचरा पसरा है। फिर भी लोग वाल्मीकि समाज की मांग के साथ साहानुभूति बरत रहे हैं क्योंकि सभी जानते हैं कि सफाई का काम यही वर्ग करता है।

दो दिन से सफाई कर्मचारियों ने अपने आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए टिपर और ट्रैक्टरों को भी कचरा उठाने से रोक दिया, जबकि टिपर में सरकारी कर्मचारी नहीं हैं। यही कारण है कि दो दिन से टिपर शहर में दिखाई नहीं दे रहे। एक दिन में पूरे शहर से टिपर करीब 350 टन और रविवार को छुट्?टी के बाद सोमवार को 400 से 450 टन कचरा हो जाता है। यानी सोमवार तक घरों का करीब 800 टन कचरा नहीं उठाया गया। इसलिए अब समस्या घरों में होने लगी।

जब घुसपैठियों से भिड़ गई महिला कॉस्टेबल, भारतीय सीमा से भगाकर लिया दम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राणाघाट में सीमा चौकी के पास बीएसएफ की एक महिला जवान का हथियारबंद घुसपैठियों से सामना हो गया। वह अकेली थी, चारों तरफ से घुसपैठियों से घिरी थी, जान जोखिम में थी लेकिन इसके बावजूद वह डरी नहीं बल्कि उनके सामने डटी रही। घुसपैठियों को अकेले ही खदेड़ दिया। इस बीएसएफ की महिला जवान की खूब तारीफ हो रही है। बीते दिनों से लगातार बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ होने के प्रयास को बीएसएफ असफल कर रही है। घुसपैठियों से बॉर्डर पर मुठभेड़ हुई जिसमें कई बीएसएफ जवान घायल भी हुए हैं। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि रात करीब दो बजे महिला कॉन्टेबल ने चाकुओं और तलवारों से लैस घुसपैठियों को सीमा पार करते देखा। महिला कॉन्टेबल ने घुसपैठियों पर हमला किया और उन्हें चेतावनी दी, लेकिन वह भारतीय क्षेत्र में घुस आए, कॉन्स्टेबल को चारों और से घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। तब तक एक साथी जवान ने उसकी चेतावनी पर प्रतिक्रिया दी और घुसपैठियों की ओर एक स्टन ग्रेनेड फेंका। घुसपैठियों ने जैसे ही चढ़ाई की, कॉन्स्टेबल ने उन पर गोली चला दी और उन्हें भागने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने किसी घुसपैठिए के घायल होने की संभावना से इनकार नहीं किया है।

बिहार में वज्रपात से तीन की मौत, सीएम ने जताया शोक

पटना। बिहार में पिछले 24 घंटों में वज्रपात की चपेट में आने से 5 लोगों की मौत हो गई। बिहार सीएम नीतीश कुमार के कार्यालय की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि पिछले 24 घंटे में वज्रपात से जहानाबाद जिले में 3 और रोहतास में 2 लोगों की मौत पर सीएम नीतीश ने गहर शोक व्यक्त किया है। सीएम नीतीश ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वह प्रभावित परिवारों के साथ खड़े है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को बिना देरी किए 4-4 लाख रुपए सहायता राशि देने के निर्देश दिए हैं। सीएम नीतीश ने लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए सुझावों का पालन करें और खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

प्रेमिका की शादी कहीं और हुई......सनकी प्रेमी ने मासूम भाई को मार डाला

ग्वालियर। ग्वालियर शहर में एक सनकी प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की शादी कहीं और होने पर उसके 12 साल के मासूम भाई की हत्या कर दी। मासूम हेमू राजपूत आरोपी शुभम कुशवाहा के साथ सावन का मेला देखने गया था। गुप्तेश्वर पहाड़ी पर आरोपी ने पत्थर पटककर मासूम की जान ले ली और शव को वहीं दबा दिया। 12 साल के मासूम को मेला देखने जाना था, इसपर मां ने बच्चे का मन रखने के लिए एक ऑटो में बैठाकर गोल पहाड़िया के पास गुप्तेश्वर मेला देखने के लिए भेज दिया। इस दौरान मासूम हेमू को पहले से पहचानने वाला आरोपी शुभम मिल गया। शाम तक मां यही समझती रही कि उसका मासूम बेटा मेला देखकर आ जाएगा, लेकिन जब रात होने पर वह नहीं लौटा, तब बच्चे की मां ने थाने में रिपोर्ट लिखाई। शिकायत आने के बाद पुलिस ने तुरंत बच्चे को ढूंढने की कोशिश की। देर रात तक गुप्तेश्वर पहाड़ी इलाके में पुलिस को बच्चे का शव पत्थर के नीचे दबा हुआ मिला। पुलिस ने जब मासूम की मां से किसी पर शक की बात पूछी, तब मां ने अपने पुराने पड़ोसी शिवम कुशवाह का नाम बताया। पुलिस ने शिवम को पकड़कर कड़ाई से पूछताछ की, तब आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। आरोपी शिवम मासूम की बड़ी बहन से प्रेम करता था और शादी करना चाहता था, लेकिन लगभग 5 महीने पहले मासूम की मां ने अपनी बेटी की शादी शिवम से न करते हुए मुरैना में कर दी। इसका बदला लेने के लिए आरोपी शिवम ने अपने साथी अमन गोस्वामी के साथ मिलकर मासूम की हत्या कर शव को पत्थर से दबा दिया हालांकि, आरोपी शिवम शादी के बाद भी मासूम हेमू के घर आता था और पारिवारिक संबंध बना चुका था, क्योंकि आरोपी और फरियादी कमलेश पहले पड़ोस में रहते थे। वहीं से उसकी दोस्ती फरियादी कमलेश की बेटी से हो गई थी।

कांवड़ियों से भरी पिकअप बिजली के खंभे से टकराई, करंट लगने से पांच की मौत

लातेहार। झारखंड के लातेहार के बालूमाथ में एक हादसे में 5 कांवड़ियों की मौत हो गई। गुरुवार तड़के तीन बजे कांवड़ियों से भरी एक पिकअप बिजली के खंभे से टकरा गई जिससे पिकअप में करंट फैल गया और 5 कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई और 5 कांवड़िये गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे का शिकार हुए सभी कांवड़िये मकईयातांड के रहने वाले बताए जा रहे है। बताया जा रहा है कि सभी कांवड़िया देवघर में पूजा करने के बाद वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक कांवड़ियों का पिकअप रात 3 बजे बिजली के खंभे से टकरा गया जिससे वाहन में करंट फैल गया और यह हादसा हुआ। पिकअप की रफ्तार इतनी तेज थी कि वाहन टकराने के बाद बिजली का खंभा टूट गया। पिकअप में सवार चार महिलाओं और ड्राइवर की मौके पर मौत हुई है। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घायलों को इलाज के लिए रांची के रिम्स अस्पताल रेफर कर किया गया है। यह हादसा बालूमथ थाना क्षेत्र के तम-तम टोला में हुआ। ये कांवड़िये देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर से लौट रहे थे।

पंजाब में प्रवासियों को मोहली गांव छोड़ने का फरमान

फरीदकोट। उत्तर प्रदेश और बिहार ऐसा राज्य है जहां से सबसे ज्यादा प्रवासी बाहर मजदूरी और अन्य काम करने जाते हैं। इसमें पंजाब भी शामिल है जहां यूपी-बिहार से प्रवासी काम करने जाते हैं। दरअसल मोहाली जिले की ग्राम पंचायत मुंधो संगतिया की तरफ से एक विवादित प्रस्ताव पास किया गया है। गांव में रह रहे प्रवासियों को गांव छोड़ने का फरमान सुनाया गया है। प्रस्ताव के मुताबिक गांव में कोई भी प्रवासियों को रहने के लिए जगह नहीं देगा। प्रस्ताव के अनुसार आगे के लिए भी किसी भी प्रवासी का गांव में कोई भी पहचान पत्र नहीं बनाया जाएगा। प्रस्ताव में कहा गया है कि किसी भी प्रवासी को गांव में किराए पर कमरा नहीं दिया जाएगा। मौजूदा प्रवासियों को गांव छोड़ने के लिए कुछ दिन की मोहलत रहेगी। जानकारी के अनुसार गांव में 5 परिवार किराए पर रहे हैं जिनमें करीब 15 से 20 लोग शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कथित तौर पर प्रवासी लोगों के रहने के कारण इलाके में आपराधिक और असामाजिक गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। इससे आने वाली पीढ़ी पर गलत प्रभाव पड़ रहा है। इसी कारण यह फैसला लिया गया है।

यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने का खामियाजा भुगत रहीं पूजा खेड़कर

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत धोखाधड़ी और जालसाजी के एक मामले में आरोपी ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत अर्जी पर एक अगस्त को फैसला सुना सकती है। सुनवाई के दौरान खेडकर ने अदालत से कहा कि एक अधिकारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। खेडकर की ओर से पेश वकील बीना महादेवन ने अदालत से कहा, मैंने (खेडकर ने) यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई है, इसीलिए मेरे खिलाफ यह सब हो रहा है। यह सब जिलाधिकारी के इशारे पर हो रहा है, जिनके खिलाफ मैंने यौन उत्पीड़न की शिकायत की है। उस व्यक्ति ने मुझे एक निजी कमरे में आकर बैठने को कहा। मैंने कहा कि मैं एक योग्य आईएएस हूं और मैं ऐसा नहीं करूंगी। मैं अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए अग्रिम जमानत का अनुरोध कर रही हूं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेंद्र कुमार जंगला ने बुधवार को खेडकर द्वारा दायर अर्जी पर दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। खेडकर ने अपने वकील के माध्यम से दायर अर्जी में दावा किया कि उन्हें गिरफ्तारी का खतरा है। अभियोजन पक्ष ने अर्जी का विरोध करते हुए दावा किया कि उन्होंने व्यवस्था को धोखा दिया है। कार्यवाही के दौरान, खेडकर ने कहा कि वह अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए अग्रिम जमानत चाहती हैं। महादेवन ने अदालत को बताया कि खेडकर ने कोई जानकारी नहीं छिपाई तथा उन्होंने परीक्षा में शामिल होने की संख्या गलत बताई है। उन्होंने कहा, मैंने पांच लिखा था, लेकिन मुझे 12 लिखना चाहिए था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैंने अलग कोटे के तहत उन (परीक्षा में बैठने के) प्रयासों का लाभ उठाया। यह सद्भावना से किया गया था या नहीं, इसकी जांच की जानी चाहिए।

हानिया की मौत के बाद पूरी दुनिया में खलबली, विश्व युद्ध की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। हमास प्रमुख हानिया की ईरान में हुई हत्या ने पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। ईरान को लगता है कि हमारे घर आए मेहमान को मार देना, मतलब ईरान की सीधी तौहीन है और उसके लिए चुनौती भी। इस समय एक सवाल सब जगह गूंज रहा है और वो है कि क्या दुनिया में विश्व युद्ध की दस्तक एक बार फिर तेज हो सकती है। कारण, इजरायल ने जिस तरह से हमास के चीफ को ईरान में घुसकर मार गिराया, उसके बाद दुनिया सहमी हुई है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या के बाद इजरायल को कड़ी सजा देने की कसम खाई है। वहीं इजरायल कह रहा है कि वो हर हालात के लिए तैयार है। उसने अभी तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

इस्माइल हानिया समेत हमास के सभी बड़े नेता 6 सालों से कतर में रहा था। कतर से हमास के संबंध अच्छे रहे हैं। हालांकि, 3 महीने पहले ये रिपोर्ट्स आने लगी थीं कि कतर जंग में मध्यस्थता से परेशान हो चुका था। इसके चलते हमास के नेता ओमान शिफ्ट होने की प्लानिंग कर रहे थे लेकिन इससे पहले ही हानिया मारा गया। हानिया की हत्या के बाद हमास और ईरान समर्थक दावा कर रहे हैं कि उसकी हत्या का ग्रीन सिग्नल किसी और ने नहीं, अमेरिका ने दिया था। और तभी नेतन्याहू अमेरिका से वापस इजरायल लौटे और उसके कुछ ही घंटे के भीतर पहले हिजबुल्लाह के नंबर 2 फौद शुकर का और फिर हमास के चीफ हानिया का खात्म कर दिया गया। इस

बीच ईरान ने अपनी मस्जिद पर लाल झंडा फहरा दिया है। लाल झंडा यानी बदले का अल्टीमेटम। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने बदले का ऐलान करते हुए कहा कि इस्लामी गणराज्य की सीमाओं के भीतर घटी इस कड़वी और दुखद घटना के बाद, बदला लेना हमारा कर्तव्य है। दूसरी तरफ इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने भी कह दिया कि इजरायल किसी भी हालत का मुकाबला करने के लिए तैयार है। इस युद्ध में अब तक अमेरिका कभी शांति तो कभी युद्ध को भड़काने वाली भूमिका निभाता आ रहा है। सवाल ये कि क्या ये हमला उसकी मर्जी से हुआ है? और अगर इजरायल पर पलटवार हुआ तो अमेरिका उसका बचाव करेगा? जानकारी के मुताबिक अमेरिका इजरायल के साथ खड़ा था और अब भी उसकी मदद करेगा।

दरअसल, हमास का मुखिया इस्लामिल हानिया ने तेहरान में ईरान के सुप्रीम नेताओं के साथ मुलाकात की। वह ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शपथ ग्रहण में शामिल होने पहुंचा था। इसके चंद घंटे बाद ही वह तेहरान में इजरायली हमले में मारा गया। 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए सबसे बड़े आतंकी हमले के बाद इस्माइल हनीया ने हमले की लाइव फीड देखी थी और महिलाओं और बच्चों सहित इजरायली नागरिकों पर हमास के हमले का जश्न मनाया था। तब इजरायल ने कह दिया था कि 7 अक्टूबर के गुनहगार चलती-फिरती लाश हैं। आज नहीं तो कल उनका अंत आएगा। एक-एक कर इजरायल अपने दुश्मनों का सफाया करता जा रहा है। इजरायल की ये बात बुधवार को सही साबित हो गई और हमास का चीफ सबसे सुरक्षित किले में मारा गया। हानिया कतर में रहता था लेकिन वो ईरान आया हुआ था। हमास चीफ इस्माइल हानिया की हत्या को लेकर सरकारी न्यूज एजेंसी इरना के मुताबिक हानिया के ठिकाने पर हमला गाइडेड मिसाइल से किया गया है। हानिया उत्तरी तेहरान में एक घर में ठहरा था। ईरानी सेना उस जगह का पता लगाने में जुटी है। अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी ने कहा है कि अगर इजरायल पर हमला हुआ तो हम खड़े होंगे। अमेरिकी बेड़ा आसपास घूम रहा है। जहां तक इस सवाल की बात है कि हानिया को इजरायल ने कैसे मारा तो बताया ये जा रहा है कि मिसाइल किसी सबमरीन से या फिर एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ाने भरने वाले लड़ाकू विमान की ओर से दागी गई थी। दोनों ही सूरतों में अमेरिका की जानकारी के बिना ऐसा होना मुमकिन नहीं क्योंकि उसकी जबरदस्त नौसैनिक तैनाती है। हालांकि जब अमेरिकी विदेश मंत्री से इस बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने किसी जानकारी से इनकार कर दिया।

मुइज्जू की गलतियों पर मिट्टी डाल... माले की यात्रा पर जाएंगें जयशंकर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की अगले सप्ताह मालदीव की यात्रा करने की संभावना है, जो बीते साल नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद से भारतीय पक्ष की पहली उच्च स्तरीय द्विपक्षीय यात्रा होगी। जयशंकर विकास सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों पर अपने समकक्ष मूसा जमीर के साथ बातचीत करने और यात्रा के दौरान मुइज्जू से भी मुलाकात करने वाले है। जमीर मालदीव की पहली द्विपक्षीय यात्रा के लिए भारतीय चुनावों से पहले भारत में थे और उनकी यात्रा के बाद जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण के लिए राष्ट्रपति के रूप में मुइजू की पहली भारत यात्रा हुई। जयशंकर की यात्रा इसकारण भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि संबंधों में शुरुआती तनाव के बाद दिल्ली-माले संबंधों में गति आ रही है। पद संभालने के बाद, राष्ट्रपति मुइज्जू ने अपने अभियान से भारत विरोधी बयानबाजी जारी रखी, जो इंडिया आउट आंदोलन और मालदीव से भारतीय सैनिकों को हटाने पर केंद्रित थी। उन्होंने भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के बजाय चीन का दौरा करके परंपरा को भी तोड़ दिया। दिसंबर 2023 में मालदीव ने घोषणा की कि वह भारत के साथ अपने हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण समझौते को नवीनीकृत नहीं करेगा। नई दिल्ली और माले के बीच तनाव तब बढ़ गया जब मालदीव के तीन उपमंत्रियों ने लक्षद्वीप यात्रा की तस्वीरों के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की। बाद में मंत्रियों को निलंबित किया गया। हालाँकि, उनकी टिप्पणियों ने सोशल मीडिया पर भारतीयों के बीच हंगामा मचा दिया। कई लोगों ने घोषणा की कि वे छुट्टियों के गंतव्य के रूप में मालदीव का बहिष्कार कर रहे हैं, कुछ ने द्वीपसमूह राष्ट्र की अपनी निर्धारित यात्राएं रद्द करने का भी दावा किया है।

जम्मू-कश्मीर में तेज हुई विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट ! ईसी के इस आदेश से मिल रहे संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चुनाव आयोग ने संकेत दिया है कि जम्मू-कश्मीर में 30 सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव होंगे, जो कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा है। सूत्रों का कहना है कि अगले 10 दिनों में आयोग के केंद्र शासित प्रदेश का दौरा करने की संभावना है। चुनाव निकाय ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से अपने गृह जिलों में तैनात अधिकारियों के साथ-साथ चुनाव प्रक्रिया से जुड़े उन अधिकारियों को स्थानांतरित करने के लिए कहा है जो 30 सितंबर को या उससे पहले तीन साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

इसी तरह के निर्देश हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के मुख्य सचिवों को दिए गए हैं, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। हरियाणा के मामले में, चुनाव आयोग ने 31 अक्टूबर को या उससे पहले तीन साल पूरा करने वाले अधिकारियों के स्थानांतरण के लिए कहा है, महाराष्ट्र के लिए यह तारीख 30 नवंबर है और झारखंड के लिए यह 31 दिसंबर है। जम्मू और कश्मीर छह साल से अधिक समय से निर्वाचित सरकार के बिना है और आखिरी विधानसभा चुनाव दिसंबर 2014 में हुए थे। अगले सप्ताह जम्मू-कश्मीर भी केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पांच साल पूरे कर लेगा।

5 अगस्त, 2019 को, तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था और अनुच्छेद 370 के तहत इसकी विशेष स्थिति हटा दी गई थी। तब से, जम्मू और कश्मीर का प्रशासन उपराज्यपाल द्वारा किया जाता है। केंद्र ने हाल ही में जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में भी संशोधन किया है, जिससे केंद्र शासित प्रदेश में उपराज्यपाल को व्यापक अधिकार दिए गए हैं। संशोधन दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश मॉडल के अनुरूप हैं, जहां निर्वाचित सरकार का नौकरशाही पर बहुत कम अधिकार होता है और कई शक्तियां उपराज्यपाल में निहित होती हैं।

विपक्षी दलों ने केंद्र के इस कदम पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और इसे ÷अलोकतांत्रिक÷ करार दिया है। उनका आरोप है कि एलजी को व्यापक अधिकार देने से चुनी हुई सरकार रबर स्टांप बन जाएगी। जून में अपने श्रीनगर दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि जम्मू-कश्मीर में जल्द ही विधानसभा चुनाव होंगे और राज्य का दर्जा भी बहाल किया जाएगा।

फुल फॉर्म में दिखे योगी, सपा-कांग्रेस के खिलाफ भरी हुंकार, बोले- खटाखट करने वालों को 2027 में सफाचट कर देंगे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। विधानसभा में बोलते हुए योगी ने साफ तौर पर कहा कि 2027 में खटाखट नहीं, कांग्रेस और सपा का सफाचट होगा। आपको बता दें कि हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। सीएम योगी ने इंडी गठबंधन के खटाखट स्कीम पर बोलते हुए प्रश्न किया कि एक लाख का बॉन्ड कहां गया? उन्होंने भाजपा और एनडीए के अपने सहयोगी विधायकों से कहा कि आप सब जनता-जनार्दन के बीच जाइए और उनसे पूछिए कि एक लाख का बॉन्ड कहां गया, कौन खा गया और उसे खाने वाले लोग कौन हैं।

सीएम योगी लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और सपा द्वारा फैलाए गए संविधान खत्म करने के झूठ पर भी विपक्ष आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि संविधान का गला घोटने वाले कौन लोग थे? विपक्ष के लोग कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार आएंगे तो संविधान खत्म कर देंगे। प्रधानमंत्री मोदी 10 वर्ष से सत्ता में हैं, क्या संविधान खत्म हुआ, नहीं! बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के रहते संविधान और मजबूत हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का सम्मान जितना प्रधानमंत्री मोदी ने किया, उतना किसी ने नहीं किया।

कोई गुंडा सीएम आवास में घुस गया और महिला के साथ बदसलूकी की

– सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के सहयोगी विभव के रवैये पर की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट बदसलूकी मामले में सीएम केजरीवाल के पूर्व पीए विभव कुमार की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही। सुप्रीम कोर्ट ने विभव कुमार के रवैये पर सवाल उठाए।

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी विभव कुमार को लेकर सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि क्या इस तरह के गुंडे को सीएम आवास में काम करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि विभव ने एक महिला से इस तरह का आचरण किया जैसे कोई गुंडा मुख्यमंत्री के आवास में घुस गया हो। कोर्ट ने कहा कि महिला के साथ बदसुलूकी की गई। ऐसे बर्ताव पर शर्म नहीं आती। निजी सचिव के पद से हटने के बाद विभव कुमार सीएम आवास में क्यों मौजूद था।

कोर्ट ने कहा जब विभव सीएम के निजी सचिव पद पर नहीं थे तो वहां क्यों मौजूद थे। निजी सचिव पद से हटने के भी सीएम आवास पर उनके होने पर भी कोर्ट ने सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने विभव कुमार के वकील से पूछा कि क्या सीएम आवास निजी बंगला है? क्या इस तरह के 'गुंडे' को सीएम आवास में काम करना चाहिए।

ममता मोहंता ने बीजेडी को दिया झटका, राज्यसभा से इस्तीफा देकर बीजेपी में हो गई शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व राज्यसभा सांसद ममता महंत बीजू जनता दल (बीजेडी) और उच्च सदन से इस्तीफा देने के एक दिन बाद गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गईं। ओडिशा में कुडुमी समुदाय के एक प्रसिद्ध नेता, महंत ने अपना कार्यकाल समाप्त होने से दो साल पहले इस्तीफा दे दिया। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मुझे आज ओडिशा राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली सदस्य ममता मोहंता से एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने राज्यसभा में अपनी सीट से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्र लिखकर इस्तीफा दिया है. मैंने इसे संवैधानिक रूप से उचित पाया और इसलिए उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया।

महंत 48 वर्ष की हैं, मार्च 2020 में बीजू जनता दल के सदस्य के रूप में ओडिशा से संसद के उच्च सदन के लिए चुने गए। उन्होंने 2020 में ओडिशा की चार सीटों में से बिना किसी विरोध के अपनी सीट जीती। उनके इस्तीफे के बाद बीजेडी के अब राज्यसभा में 8 सदस्य हैं। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि मयूरभंज के लोगों की सेवा करने और ओडिशा के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की अनुमति देने के लिए मैं ईमानदारी से अपना आभार व्यक्त करती हूं। हालाँकि, मुझे लगता है कि बीजद में मेरी और मेरे समुदाय की सेवाओं की कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए, मैंने जनहित में यह कठोर निर्णय लिया है।

महंत के करीबी लोगों ने कहा कि वह अपनी एमपीएलएडी निधि का स्वतंत्र रूप से उपयोग नहीं कर सकती थीं क्योंकि उन्हें पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के आदेशों का पालन करना था। उनके इस्तीफे पर बोलते हुए, ओडिशा भाजपा विधायक अशोक मोहंती ने कहा, ÷बीजद नेताओं ने नवीन पटनायक पर अपना भरोसा खो दिया है। बीजद का आरोप गलत है. राज्यसभा और लोकसभा में हमारे पास संख्या बल है. वह अपनी पार्टी से इस्तीफा दे रही हैं क्योंकि वह जानती हैं कि अगर वह वहां रहेंगी तो अपने क्षेत्र का विकास नहीं कर पाएंगी. इसलिए वह चली गई।

लोकसभा में बिल पेश: फ्लाइट में बम की अफवाह फैलाने वाले को भरना पड़ेंगे एक करोड़

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के एविएशन सेक्टर की वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के मकसद से भारत सरकार ने अंग्रेजों के जमाने के 90 साल पुराने एयरक्राफ्ट ऐक्ट-1934 को बदलने जा रही है। इसके लिए सरकार ने बुधवार को लोकसभा में नया बिल पेश किया। इसका नाम भारतीय वायुयान विधेयक-2024 रखा गया है। इसमें हॉक्स कॉल करने वालों के खिलाफ सख्त नियम बनाते हुए दो साल तक की कैद या एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना या फिर दोनों सजा देने का प्रावधान है। बिल के बारे में बताया गया कि इसमें क्राइम करने पर भारतीय न्याय संहिता और दूसरे कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। उसके अलावा, इस बिल में फ्लाइट में बम होने, गोला-बारूद समेत दूसरी खतरनाक चीजों के होने की झूठी जानकारी देने वालों के खिलाफ दो साल तक की कैद या एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही एयरपोर्ट के 10 किलोमीटर के दायरे में अगर कोई जानवरों को काटता है, खाल उतारता है या फिर ऐसी गंदगी का कारण बनता है, जिससे एयर ट्रैफिक पर गंभीर प्रतिकूल असर पड़ सकता है तो उसके खिलाफ भी तीन साल तक की कैद और एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। बिल में यात्रियों को मुआवजा देने, फ्लाइट एक्सिडेंट होने, कैंसल या डिले होने पर डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन और दूसरी संबंधित एजेंसियों के पास क्या-क्या पावर हैं इसको बताया गया है।

बिल से एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए और सिक्यॉरिटी के लिए जिम्मेदार बीसीएएस को और शक्ति मिलेगी। बिल में इन तमाम एजेंसियों को इमरजेंसी के दौरान पावर बढ़ाई गई हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि नया बिल पैसेंजर फ्रेंडली होगा। उसमें फ्लाइट के काफी अधिक समय तक डिले होने, बिना सही जानकारी दिए कैंसल करने और ऑनबोर्ड यात्रियों को एयरलाइंस के नियमों के तहत सुविधाएं न देने पर अधिक पेनल्टी लगाने के साथ ही कड़ी कार्रवाई करने का भी प्रावधान रखा गया है। साथ ही यात्रियों के भी क्रू मेंबर से बदसलूकी करने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकेगी। 90 साल पहले बनाए गए एयरक्राफ्ट ऐक्ट में समय-समय पर जरूरतों के मुताबिक संशोधन होते रहे। मगर, जिस तेजी से इंडियन एविएशन सेक्टर में तेजी आ रही है। उस हिसाब से आज के जमाने के हिसाब से खरा उतरने वाला विधेयक चाहिए था। उस पर यह नया भारतीय वायुयान विधेयक-2024 खरा उतरेगा।

पुराने बिल में 90 साल में 21 बार हुए संशोधन

लोकसभा में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने बताया कि यह बिल इंटरनैशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन (आईसीएओ) के तमाम कायदे-कानूनों और देश के एविएशन सेक्टर में आज और भविष्य की जरूरतों पूरा करने वाला होगा। पुराने बिल में 90 साल में 21 बार संशोधन किए गए। उन तमाम संशोधनों और देश में तेजी से बढ़ते एविएशन सेक्टर की जरूरतों को पूरा करने में यह बिल खरा उतरेगा। हालांकि, नागर विमानन

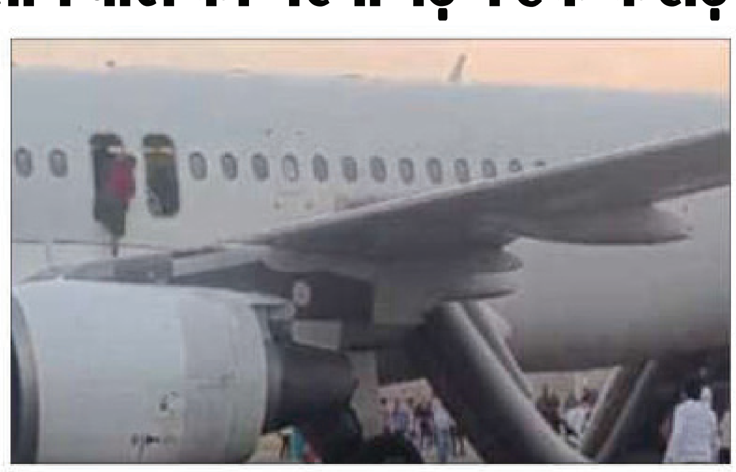

मंत्री नायडू के इस बिल को सदन में पेश करने पर आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने बिल का नाम केवल हिंदी में रखने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है। इस पर नायडू ने कहा कि हिंदी में नाम लेकर किसी संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन नहीं किया गया है। हम अपनी पहचान को लेकर आगे बढ़े हैं, इसमे कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। नायडू ने कहा कि तीन आपराधिक कानूनों में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर चर्चा के दौरान बिल के नामकरण पर आपत्ति का समाधान हो गया था।

जिम्मेदारों ने नहीं सुनी, मोहल्लेवासियों ने चंदा जुटा बनाई सड़क बोले जिम्मेदारों से पिछले एक साल में महज आश्वासन मिला,

द पुलिस पोस्ट

पाली। पाली का हैदर कॉलोनी जिसकी मुख्य सड़क आगे टैगोर नगर करणी माता मंदिर तक आती है। रोजाना इस सड़क से सैकड़ों वाहन चालकों का आना-जाना रहता है लेकिन इस सड़क की हालत बेहद खराब थी। जगह-जगह गड्ढे और उनमें भरा गंदा पानी। ऐसे में लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नगर परिषद, जिला कलेक्टर से लेकर एमएलए तक से मिले। समस्या बताई लेकिन सिर्फ आश्वासन मिले। ऐसे में थक हार कर मोहल्लेवासियों ने अपने स्तर पर रुपए एकत्रित किए और मुड (मिट्टी) डलवाकर इसे दुरुस्त करवाया तब जाकर यह आने-जाने लायक बनी। हम बात कर रहे है। पाली शहर के मस्तान के बाबा के पीछे की तरफ बने हैदर कॉलोनी कि क्षेत्र की मुख्य सड़क से लेकिन गलियों में सड़कों की हालत खस्ता है। नालियों में गंदा पानी भरा रहता है। एक जगह तो सड़क धंस गई। करीब 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया। ऐसे में उसमें बच्चों के गिरने का भी क्षेत्रवासियों को डर रहता है। ऐसे में उस गड्ढे पर कांटे रख रहे है। समस्या को लेकर क्षेत्र के अरबाज खान, अनवर खान, शाहिद पिन्नू, शेरू खान, अज्जू अंसारी, वसीम टी सहित मोहल्ले के लोग नगर परिषद सभापति, आयुक्त, विधायक से लेकर जिला कलेक्टर से मिलकर क्षतिग्रस्त सड़क के निर्माण करवाने की मांग कर चुके है लेकिन हर जगह से उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला और इस आश्वासन के भरोसे एक साल का लम्बा समय बीत गया। इस दरम्यान सड़क दुरुस्त तो नहीं हुई अलबत्ता और खस्ताहाल हो गई।

किसी ने नहीं सुनी तो मोहल्लेवासियों ने खुद किए रुपए एकत्रित

मोहल्ले के अरबाज खान ने बताया कि जब सब जगह से निराशा हाथ लगी तो मोहल्लेवासियों ने बैठक ली। जिसमें निर्णय लिया कि खस्ताहाल सड़क को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी अब उन्हें ही उठानी पड़ेगी। इसलिए उन्होंने अपने स्तर पर रुपए एकत्रित करना शुरू किए और चंद ही दिनों में एक लाख रुपए एकत्रित कर लिए। जेसीबी मंगवाई और मुड (मिट्टी) मंगवाई। और सड़क पर जहां-जहां गड्ढे थे वहां मिट्टी से भरवाएं। उन्होंने बताया कि आधी के करीब सड़क के गड्ढे भरवा दिए है और अगले कुछ दिनों में शेष सड़क के गड्ढे भी भरवाएंगे।

जरुरत पड़ी तो और चंदा एकत्रित करेंगे

मोहल्ले के अनवर खान ने बताया कि जरुरत पड़ी तो मोहल्लेवासी मिलकर और रुपए एकत्रित करेंगे और अपनी समस्या का समाधान खुद करेंगे। क्योंकि नगर परिषद से उन्हें सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही मिल रहे है।

गौवंश के लिए दवाओं की व्यवस्था हुई तो चारा खत्म:निगम की तरफ से ठेकेदारों का भुगतान बकाया

द पुलिस पोस्ट

कोटा। कोटा नगर निगम की गौशाला में दवाओं के लिए टेंडर किया गया है। एक साल के लिए 16 लाख की दवाओं के लिए टेंडर हुआ है। जरूरत के हिसाब से गौशाला में दवाइयां खरीदी जा सकेगी। लंबे समय से गौशाला में दवाओं की कमी चल रही थी। इसे लेकर कई बार समिति चेयरमैन जितेंद्र सिंह ने निगम अधिकारियों को लिखित में प्रस्ताव भी दिया था।

दवाओं की व्यवस्था हुई तो चारा खत्म

निगम की गौशाला में वर्तमान में करीब दो हजार से अधिक गौवंश है। निगम की ओर से पिछले काफी समय से यहां दवाइयों के टेंडर ही नहीं किए गए थे। पुराना टेंडर व दवाइयां लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के दौरान खत्म हो गया था। लेकिन आचार संहिता में नया टेंडर नहीं किया जा सका। गौशाला समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि गौशाला में गौवंश के लिए पिछले काफी समय से दवाइयों के टेंडर ही नहीं हुए थे, जिससे यहां गौवंश के लिए आवश्यक दवाइयां तक समाप्त हो गई थी। ऐसे में दानदाताओं के सहयोग से व्यवस्था करनी पड़ रही थी। गौशाला में शहर से बीमार और घायल गौवंश ज्यादा आते हैं। ऐसे में उनका उपचार यहीं होता है। इसके लिए दवाओं की जरूरत पड़ती है। इधर, दवा की व्यवस्था तो हो गई लेकिन अब गौवंशों का पशु आहार चापड खत्म हो गया। निगम की तरफ से ठेकेदारों का लाखों रुपए का भुगतान बकाया है। ऐसे में वह नई खेप नहीं भेज रहे।

राशन विक्रेता अनिश्चितकालीन हड़ताल पर:4 सूत्री मांगों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन, प्रभावित होगी वितरण व्यवस्था

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा। राजस्थान राज्य राशन विक्रेता संघर्ष समिति के बैनर तले भीलवाड़ा जिले भर में राशन विक्रेताओं ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी।राशन विक्रेताओं ने शहर के सूचना केंद्र चौराहे पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और 4 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठ गए। जिलाध्यक्ष जुगलकिशोर ने बताया कि राजस्थान राज्य राशन विक्रेता संघर्ष समिति द्वारा लम्बे समय से 4 सूत्रीय मांग पत्र पर कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज चुके हैं लेकिन अब तक इस पर कोई सुनवाई नहीं होने के कारण हमने आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की है। जिसमें हमने मुख्य रूप से हमारे मानदेय को 30 हजार करने , 2 प्रतिशत वेस्टेज दिलवाने, बकाया कमीशन राशि दिलवाने, केवाईसी एवं सीढिग की गई राशि दिलवाने की मांग मुख्य रूप से है। ये मांग लम्बे समय से की जा रही है, कई बार ज्ञापन देने के बावजूद कोई का सुनवाई नहीं होने से राशन विक्रेताओं में आक्रोश व्याप्त है। जिसे लेकर आज सभी राशन विक्रेता हड़ताल पर हैं। हड़ताल में संघर्ष समिति के सदस्यों में नारायण सिंह राव, संजय खटीक, मुकेश खोईवाल, महावीर राठी, कालूलाल कुम्हार, ईश्वर चन्द शर्मा, ज्ञानमल डीडवानियां, अमित डाड सहित कुछ अन्य राशन डीलर हड़ताल पर बैठे हैं।

बैटरी,टूल बॉक्स सहित डीजल चोरी कर ट्रक ड्राइवर फरार:ट्रांसपोर्ट कंपनी के मैनेजर दर्ज कराया मुकदमा

द पुलिस पोस्ट

सिरोही। स्वरूपगंज पुलिस थाने में ट्रांसपोर्ट कंपनी के मैनेजर ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। जिसमें बताया है कि कंपनी के ट्रक में जेके सीमेंट के 600 कट्टे भर कर ट्रक ड्राइवर को बाड़मेर के लिए रवाना किया था, रास्ते में ट्रक खड़ा कर ड्राइवर ट्रक की बैटरी, टूल बॉक्स, तिरपाल, रस्सा, जैक, टॉमी और 300 लीटर डीजल चुराकर फरार हो गया। स्वरूपगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रक ड्राइवर की तलाश शुरू की है। जानकारी के अनुसार स्वरूपगंज पुलिस थाने में एनटीसी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनारस ट्रांसपोर्ट के मैनेजर विक्रम सिंह पुत्र सोहन सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि कंपनी के ट्रक में जेके लक्ष्मी सीमेंट फैक्ट्री बनारस से सीमेंट के 600 कट्टे भरकर बाड़मेर में सप्लाई देने के लिए ट्रक ड्राइवर मुकुंद सिंह पुत्र हरि सिंह राजपूत, निवासी नेतासर पोकरण, जिला जैसलमेर को 25 जुलाई को रवाना किया था, लेकिन वह आज दिन तक नहीं पहुंचा। उन्होंने जब ट्रक तलाश करना शुरू किया तो उन्हें पता चला उनका ट्रक जालौर जिले के सुराणा सायला गांव के पास सड़क किनारे खड़ा है। मौके पर पहुंचने पर ट्रक की बैटरी, टूलबॉक्स के अंदर से तिरपाल, रस्सी, जैक, टॉमी और करीब तीन सौ लीटर डीजल ट्रक ड्राइवर मुकंद सिंह चुराकर ले गया। घटना के बाद से ही उसका मोबाइल बंद आ रहा है। स्वरूपगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर इस मामले की जांच हेड कॉन्स्टेबल हनुमान सिंह को सौंपी है।

गंदे पानी की निकासी की मांग को लेकर प्रदर्शन:रतन विहार कॉलोनी की महिलाओं ने किया हंगामा

द पुलिस पोस्ट

बूंदी। कापरेन की रतन विहार कॉलोनी और सांई धाम कॉलोनी की महिलाओं ने गुरुवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर कॉलोनी में भरे गंदे नाले के पानी की निकासी की मांग को लेकर ढाई घंटे तक प्रदर्शन किया। महिलाओं ने पालिका अध्यक्ष हेमराज मेघवाल व प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। साथ ही मौके पर उपस्थित पालिका के जेईएन गजेंद्र नागर को ज्ञापन सौंपा। 18 महिलाएं नगर पालिका पहुंची और कॉलोनियों में भरे गंदे नाले के पानी की निकासी की मांग को लेकर ज्ञापन दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी महिलाएं पालिका अध्यक्ष को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ी रही। कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों व वाइस चेयरमैन ने समझाइश की लेकिन महिलाएं पालिका अध्यक्ष को बुलाने की मांग करती रहीं। मामला बढ़ता देख पुलिस बुलानी पड़ी, पुलिस के तीन जवानों ने मोर्चा संभाला और उन्हें राजी कर लिया गया। बाद में जेईएन गजेंद्र नागर ने एक साथ दो जसीबी मशीनें लेकर गंदे नाले की सफाई शुरू करवाई।

ये महिलाएं रहीं शामिल

प्रदर्शन के लिए दोनों कोलोनियों की महिलाएं समता बैरागी, राजेश गुप्ता, कृष्णा राठौर, उर्मिला, सुशीला गुर्जर, सोनिया, कविता गुर्जर, मिथलेश बैरागी, रोशनी मीना, डेनी मीना, ममता मीना, अनिता सेन सहित अन्य महिलाएं शामिल रही।

लगाया ये आरोप

आक्रोशित महिलाओं ने चैयरमेन हेमराज मेघवाल व अधिकारियों पर आरोप लगाया कि एक और तो नगर पालिका 46 लाख रुपए की लागत के दो तिरंगे झंडे लगाकर जनता के पैसों को पलीता लगा रही है। दूसरी ओर कॉलोनी के वाशिंदों को आम रास्ते पर भरे गंदे नाले के पानी से भी निजात नहीं दिला पा रहे हैं। इस दौरान महिलाओं ने कोटा-दौसा मेगा हाईवे बायपास पर संचालित वरुण वेवरेजेज पेप्सी प्लांट को दी गई अनापत्ति पर आए करोड़ों रुपए का हिसाब भी मांगा। परंतु, इतना बवाल मचा होने के बाद भी चैयरमेन नहीं आए। कापरेन नगर पालिका जेईएन गजेंद्र नागर ने कहा कि महिलाओं ने प्रदर्शन कर कॉलोनी में भरे गंदे नाले के पानी की निकासी की मांग को लेकर ज्ञापन दिया। पुलिस की मौजूदगी में दो जेसीबी मशीनें लगाकर गंदे नाले से मलबा निकलवा कर समस्या का समाधान किया गया।

मिल्क डोनेट करने वाली महिलाओं को करेंगे सम्मानित विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत होंगे कई कार्यक्रम

द पुलिस पोस्ट

चूरू। गवर्नमेंट डीबी अस्पताल की मातृ शिशु विंग में स्थित मदर मिल्क बैंक में गुरुवार दोपहर विश्व स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ अस्पताल अधीक्षक डॉ. हनुमान जयपाल ने किया। कार्यक्रम में डॉ. हनुमान जयपाल ने कहा- विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत सात दिन अलग-अलग आयोजन होंगे। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान मदर मिल्क बैंक में सबसे अधिक मिल्क डोनेट करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा सप्ताह के दौरान रैली, पोस्टर व चित्रकला प्रतियोगिता, महिलाओं को मिल्क डोनेट करने के लिए प्रेरित करने सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया- हर बच्चे को मां का दूध मिले व हर मां अपने बच्चे को दूध पिलाने में सक्षम हो। इसके लिए शपथ भी दिलाई गई। डॉ. जयपाल ने बताया कि मदर मिल्क बैंक की सुविधाओं के चलते बेसहारा नवजात को दूध के लिए इधर उधर घूमना नहीं पड़ता है। उनके लिए अस्पताल में ही दूध की व्यवस्था हो जाती है। इस मौके पर डॉ. इकराम हुसैन, डॉ. सुनील शर्मा, डॉ. नूतन वर्मा, डॉ. गुलशन बानो, डॉ. सुमन जाखड़, डॉ. विश्वजीत, डॉ. अभिषेक कोठारी, डॉ. अभिनव सरीन, नर्सिंग अधीक्षक रमेश कुमारी, रेणु चौधरी, बबीता चौधरी, प्रेम कंवर, सरोज मांजू, कुसुम आर्य व राधा देवी आदि मौजूद थी।

संदीप की हत्या करने वाले दो गौ तस्कर गिरफ्तार:पुलिस से भी हुई थी मुठभेड़

आरोपियों को पकड़ने के लिए किया गया था 8 टीमों का गठन

द पुलिस पोस्ट

भरतपुर। डीग जिले के कुम्हेर थाना इलाके में गौ तस्करों गोली मारकर एक युवक की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने संदीप की हत्या करने वाले दो गौ तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। संदीप को गोली मारने के बाद गौ तस्करों ने पुलिस नाकाबंदी पर भी फायरिंग हुई थी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गौ तस्करों पर फायरिंग की थी।

बाइक सवार युवकों ने बताया टेम्पो में गाय हैं

थाना अधिकारी अध्यात्म गौतम ने बताया कि 24 जुलाई की रात एक सफेद रंग का टाटा मैजिक टैम्पो जिसके पीछे त्रिपाल लगी हुई थी। वह नदबई की तरफ तेज गति से निकला। उसी समय दो बाइक पर सवार युवक कुम्हेर कस्बे से तिराहे पर पहुंचे। इस दौरान पुलिस की टीम गश्त पर थी। बाइक सवार युवकों ने पुलिस को बताया कि टेम्पो में गाय भरी हुई हैं इनको पकड़ों, जिसके बाद पुलिस की टीम टेम्पो का पीछा करने लगी। टेम्पो को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। उसके बाद भी टेम्पो का ड्राइवर पुलिस की गाड़ी के आगे टेम्पो को लहराते हुए भागता रहा। ड्राइवर पुलिस की गाड़ी को साइड नहीं दे रहा था।

पुलिस ने टेम्पो का 10 किलोमीटर किया था पीछा

टेम्पो का 8 से 10 किलोमीटर पीछा करने के बाद पुलिस की गाड़ी जहांगीरपुरी पहुंची। जहां पहले से एक पिकअप गाड़ी खड़ी थी। वहां कुछ गौ तस्कर गायों की इकट्ठी कर पिकअप में भरकर त्रिपाल बांध रहे थे। गौ तस्करों की पिकअप के पास टेम्पो पहुंचा तभी वहां पुलिस की गाड़ी भी पहुंची। तभी पिकअप में बैठे लोगों ने पुलिस की गाड़ी और टेम्पो के ऊपर दो फायर किए। पिकअप में सवार लोग गोवंश को क्रूरता पूर्वक भरकर बरताई गांव की तरफ भाग गए। टेम्पो थोड़ा आगे चलकर रॉंग साइड में जाकर रुक गया।

टेम्पो का शीशा पार कर लगी थी संदीप के गोली

तभी टेम्पो से खलासी की तरफ से नरेश 25 निवासी सोनगांव निकला। उसने बताया कि पिकअप में बैठे लोगों ने हम पर गोली चलाई जो मेरे साथी संदीप 23 निवासी सोनगांव के लग गई है। जिस पर टेम्पो पर जाकर देखा तो टेम्पो के आगे के शीशे के पार करते हुए गोली संदीप के जा लगी थी। संदीप के सीने से काफी खून आ रहा था। नरेश ने बताया में मेरे गिरने के कारण मेरे भी चोट आई है।

आरोपियों को पकड़ने के लिए 8 टीमों का किया था गठन

इस घटना के बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए 8 टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने गौ तस्करों का रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और जगह-जगह से सूचना प्राप्त कर जमशेद 32, आरिफ 28 निवासी बाबला थाना ताबडु जिला नूंह हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया है। पुलिस आरोपियों की कोर्ट में रिमांड लेगी जिसके बाद आरोपियों से पूछताछ की जाएगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा।लि।डीएल टॉवर, 3ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, अनिल मलिक (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111